हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

डब्लूआरएस कालोनी, रायपुर

मंडी

गगनभेदी आतिशबाजी के साथ दशानन पर 'अग्नि-प्रहार'

डब्ल्यूआरएस में सबसे बड़ा 101 फीट का पुतला जलाया

राजधानी के डब्लूआरएस कालोनी दशहरा मैदान में यहां का सबसे बड़ा 101 फीट के रावण का दहन किया गया। यहां राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मौजूद रहे। शहर में सप्रे मैदान, रावणभाठा मैदान, बीटीआई ग्राउंड, समता कॉलोनी में भी रावण दहन किया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी दशहरा मैदान में 55वें वर्ष भी गगनभेदी आतिशबाजी के बीच राज्यपाल रमेन डेका ने रावण दहन किया। वे सपत्नी उत्सव का हिस्सा बने। शाम 6.30 बजते ही आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हुआ। गुरुवार की शाम 6.58 मिनट पर राज्यपाल ने रिमोट का बटन दबाते हुए रावण दहन करते हुए लाखों की तादाद में मौजूद दर्शनार्थियों को श्रीराम विजयदशमी उत्सव का हिस्सा ▶▶|शेष पेज 7 पर

असत्य पर सत्य की जीत का प्रमाण

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि दशहरा का पर्व हमे असत्य पर सत्य की जीत का प्रमाण होने के लिए प्रेरित करता है। भगवान राम ने वानर, भालूओं की सेना के साथ रावण की लंका पर विजय हासिलकी। हमें भी सत्य के साथ होने का संकल्प लेना होगा। राज्यपाल रमेन डेका ने सभी को ▶▶|शेष पेज 7 पर

जोधपुर

देश में कहीं गला, कहीं जला रावण

नई दिल्ली। देशभर में दशहरा पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। बिहार, दिल्ली, मध्य प्रदेश और यूपी के कई जिलों में रावण दहन से पहले ही पुतले भीगकर गल गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रमों को रद्द करना पड़ा। बारिश के बीच राष्ट्रीय राजधानी में बारिश के बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लाल किले पर दशहरा समारोह में शामिल हुईं।

आरएसएस के 100 साल, शताब्दी वर्ष पर संघ प्रमुख भागवत ने अहम मुद्दों पर रखी बात

पड़ोसी देशों में जनता के गुस्से की वजह थी सरकार-समाज के मध्य दूरी, यह चिंताजनक

एजेंसी ▶▶| नागपुर

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारत के पड़ोस में अशांति को सरकारों और समाजों के बीच दूरी और सक्षम प्रशासकों की कमी से जोड़ते हुए आगाह किया कि भारत में ऐसी अशांति पैदा करने की चाहत रखने वाली ताकतें देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। वह हमारे लिए चिंताजनक है। उन्होंने 'स्वदेशी' और 'स्वावलंबन' की वकालत की और इस बात पर ज़ोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक संबंध भारत की शर्तों पर होने चाहिए, न कि किसी मजबूरी के कारण। उन्होंने जोर देकर कहा कि ▶▶|शेष पेज 7 पर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के 100 साल पूरा होने पर नागपुर में विजयदशमी उत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर मोहन भागवत ने देश के लोगों से स्वदेशी की अपील की और पड़ोसी देशों में जारी उथल-पुथल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश में जनता के गुस्से के पीछे सरकारों और समाजों के बीच दूरी प्रमुख वजह थी। इसके साथ ही संघ प्रमुख ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया।

हिंदू समाज एक जिम्मेदार समाज

भागवत ने कहा, हिंदू समाज एक जिम्मेदार समाज है। यहां 'हम' और 'वे' का विचार कभी नहीं रहा। एक विभाजित समाज टिक नहीं सकता और हर व्यक्ति अपने आप में अनोखा है। आक्रमणकारी आए और गए, लेकिन हमारी जीवन-पद्धति कायम रही।

ऑपरेशन सिंदूर पर कही यह बात

मोहन भागवत ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवादियों ने सीमा पार कर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर 26 भारतीयों की हत्या कर दी, जिस पर भारत ने कड़ा जवाब दिया।

पहलगाम हमला, टैरिफ से लेकर हिंदू राष्ट्र का किया उल्लेख

पहलगाम हमले से पता चला, कौन मित्र

संघ प्रमुख ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद विभिन्न देशों के रुख से यह भी पता चला कि उनमें से कौन हमारे मित्र हैं और किस हद तक। भागवत ने कहा कि नक्सलियों ने कुछ इलाकों में शोषण, अन्याय और विकास की कमी का फायदा उठाया था, लेकिन अब ये बाधाएं दूर हो गई हैं। उन्होंने कहा, इन इलाकों में न्याय, विकास, सद्भावना, सहानुभूति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना की आवश्यकता है।

मोदी बोले- भागवत का उद्बोधन प्रेरक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के संबोधन की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत की नयी ऊंचाइयों को छूने की अंतर्निहित क्षमता को उजागर किया। मोदी ने कहा, परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में राष्ट्र निर्माण में संघ के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला है।

राष्ट्र निर्माण में संघ का अद्वितीय योगदान : नड्डा

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आरएसएस ने युवाओं को अपने जीवन का हर पल मातृभूमि की सेवा में समर्पित करने के लिए प्रेरित करके राष्ट्र निर्माण में 'अद्वितीय योगदान' दिया है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे हो गए हैं। इस संगठन को सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक स्रोत माना जाता है। नड्डा ने आरएसएस को सेवा, अनुशासन और राष्ट्रीय विचारों का 'प्रबल संवाहक' बताया और असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र बताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि समाज में राष्ट्रीय विचारों का प्रसार कर समर्थ व अखण्ड भारत निर्माण के दिव्य ध्येय के साथ लोगों को जोड़ता यह संगठन असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र है।

आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट (75.00%) - ₹83843/-
22 कैरेट रेट (91.60%) - ₹102400/-
24 कैरेट रेट (99.99%) - ₹111779/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur

नक्सल संगठन से हुआ मोहभंग, दिया गया 50-50 हजार रुपए का चेक

सबसे बड़ा समर्पण, 103 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा, इनमें 49 पर एक करोड़ का ईनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर जिले में गुरुवार को हुए अब तक के सबसे बड़े समर्पण में 1.06 करोड़ के ईनामी 103 नक्सलियों ने संगठन का साथ छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो गए। समर्पित 80 पुरुष और 23 महिला नक्सलियों में 49 पर यह ईनाम घोषित था। इनमें 9 बड़े नक्सली भी शामिल है। इनमें पांच नक्सलियों पर 8-8 लाख व चार पर 5-5 लाख का ईनाम था।

- 80 पुरुष और 23 महिला नक्सलियों में 49 पर था ईनाम घोषित

एक साथ 103 नक्सलियों के समर्पण से नक्सल सगंठन सकते में है। सभी नक्सलियों ने बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव व अन्य अधिकारियों के ▶▶|शेष पेज 7 पर

विजयदशमी पर आत्मसमर्पण की गूंज

रायपुर। धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक विजयदशमी का पर्व इस बार छत्तीसगढ़ में हिंसा और भ्रम पर विकास और सुशासन की ऐतिहासिक विजय का भी प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर में 103 नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर सुरक्षा बलों को बधाई देते हुए कहा कि यह ▶▶|शेष पेज 7 पर

मुठभेड़ में एसीएम रैंक का नक्सली ढेर

इधर, बीजापुर जिले के गंगालूर इलाके में नक्सलियों ने एक नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया है। इसकी पुष्टि करते हुए आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि गंगालूर इलाके में जवानों और नक्सलियों के बीच जबरस्त मुठभेड़ चल रही है। अब तक 1 माओवादी का शव व हथियार बरामद किया गया है। जिला बीजापुर के थाना गंगालूर क्षेत्र में सुरक्षा बलों एवं माओवादियों के बीच प्रातः 11.00 बजे से ▶▶|शेष पेज 7 पर

पुलिस मुखबिरी के संदेह में ग्रामीण की हत्या

बीजापुर जिले में माओवादियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी। मड़कम भीमा नामक व्यक्ति को मुखबिरी का आरोप लगाकर धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतारा गया। घटना उसूर थाना इलाके के पुजारी कांकेर गांव की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर माओवादियों की तलाश शुरू की है। माओवादियों ने बुधवार रात लगभग 9 बजे ग्रामीण को घर से निकालकर वारदात को अंजाम दिया। इस हत्या से इलाके में दहशत व्याप्त है।

खबर संक्षेप

आधार कार्ड अपडेट कराना हो गया महंगा

नई दिल्ली। अब आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए पैसे चुकाने होंगे। ये नई फीस 30 सितंबर 2028 तक लागू रहेगी। अब डेमोग्राफिक अपडेट (जैसे नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर या ईमेल) की फीस अब 75 रुपए होगी। पहले यह 50 रुपए थी।

पंखे से लटका मिला नीट अभ्यर्थी का शव

कोटा। दिल्ली के 20 वर्षीय एक नीट अभ्यर्थी का शव यहां उसके पीजी के कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। बिहार के पटना के रहने वाले लकी चौधरी का शव बुधवार को विज्ञान नगर पुलिस थाना क्षेत्र के सेक्टर-2 स्थित उसके पीजी रूम में पंखे से लटका मिला। वह राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की ऑनलाइन

लेह में आठवीं तक के स्कूल फिर से खुलेंगे

लेह। लेह में पिछले हफ्ते हुई हिंसा के बाद जिले में हालात के पटरी पर लौटने के मद्देनजर अधिकारियों ने कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों को शुक्रवार से फिर से खोलने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने लेह में लागू निषेधाज्ञा का सख्ती से पालन करने का आह्वान किया है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है।

अप्रत्याशित रूप से घटा छात्रों का रूझान

टेट की अनिवार्यता ने खाली कर दी बीएड की 5300 सीटें, 11 सालों में पहली बार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्षों में दूसरी बार बीएड सीटें रिक्त रहने की कगार पर हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद बीएड, डीएलएड तथ बीए-बीएड व बीएससी-बीएड के लिए काउंसिलिंग आयोजित कर रहा है। मौजूदा शैक्षणिक सत्र के पूर्व 2014 में यह स्थिति निर्मित हुई थी जब सर्वाधिक मांग वाली बीएड की सीटें खाली रह गईं थीं। इस साल अभी प्रथम चरण की तीसरी सूची एससीईआरटी ने जारी कर दी है। इसके मुताबिक प्रदेश में बीएड की 5300 सीटें रिक्त रह गई हैं, जो कुल सीटों का 36.43 प्रतिशत है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

ये हैं तीन मुख्य कारण

निजी शिक्षा महाविद्यालय संघ के संयोजक राजीव गुप्ता के अनुसार, बीते एक दशक अर्थात 2015 से 2025 में ऐसा पहली बार हो रहा है जब बीएड पाठ्यक्रम के लिए छात्र नहीं मिल रहे हैं। कई निजी महाविद्यालय इस बात से चिंतित हैं कि यदि उन्हें छात्र नहीं मिले तो प्राध्यापकों को वेतन कैसे प्रदान करेंगे? उनके मुताबिक तीन मुख्य कारणों के चलते यह स्थिति निर्मित हुई है-

1

बीते दिनों कोर्ट ने आदेश जारी कर माध्यमिक, हाईस्कूल व हायरसेकंडरी कक्षा में अध्यापन कार्य करने वाले शिक्षकों के लिए टेट अर्थात शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी है। शिक्षक बनने अब बीएड के साथ व्यापम द्वारा आयोजित टेट क्लियर करना जरूरी है। प्राथमिक कक्षाओं के लिए डीएलएड पर्याप्त है। इसलिए भी छात्र बीएड के स्थान पर डीएलएड को प्राथमिकता दे रहे हैं।

2

विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण वर्तमान सत्र में किया गया। शिक्षकों के कई पद समायोजित हुए हैं। नई वैकेंसी भी नहीं निकल रही है। इस कारण रुझान घटा है।

3

ऑन रिकॉर्ड बीएड पाठ्यक्रम का शुल्क 60 हजार रुपए निर्धारित है। लेकिन गत वर्षों में यह आम शिकायत रही है कि अधिकतर निजी कॉलेज 2 लाख रुपए तक फीस ले रहे हैं। इस कारण भी छात्र शासकीय महाविद्यालयों में सीट मिलने पर ही प्रवेश ले रहे हैं अन्यथा नहीं।

दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास

केंद्रीय गृह मंत्री शाह आज आएंगे, कल जाएंगे बस्तर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिनों के छत्तीसगढ़ प्रवास पर शुक्रवार की रात को रायपुर पहुंचेंगे। यहां पर रात्रि विश्राम करने के बाद वे शनिवार को बस्तर जाएंगे। वहां पर कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद जगदलपुर से ही बीएसएफ के विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगे। तय कार्यक्रम के मुताबिक श्री शाह शुक्रवार की शाम को 5.45 बजे चंडीगढ़ से रायपुर ▶▶|शेष पेज 7 पर

बस्तर के कार्यक्रम

श्री शाह शनिवार की 11.20 बजे रायपुर के माना विमानतल से बीएसएफ के विशेष विमान से जगदलपुर के लिए रवाना होंगे। जगदलपुर पहुंचने के बाद श्री शाह जगदलपुर के मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। इसके बाद वे 12.35 से 1.20 तक मुरिया दरबार के कार्यक्रम में शामिल होंगे। 1.25 से 2.30 बजे लाल बाग में प्रदर्शनी ▶▶|शेष पेज 7 पर

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में बड़ा हादसा

मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 10 श्रद्धालुओं की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंदौर/खंडवा

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में विजयादशमी पर गुरुवार को दुर्गा देवी की मूर्तियों के विसर्जन के दौरान तालाब में ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलट जाने से कम से कम 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे को लेकर 'एक्स' पर शोक जताया और अपने स्वजनों को खोने वाले परिवारों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की।

तीन लोगों का किया गया रेस्क्यू

इस बीच, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ पी जुगतावत ने बताया कि हादसे में घायल तीन लोगों को तालाब से बाहर निकाल कर खंडवा के जिला चिकित्सालय भेजा गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के वक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 30 श्रद्धालु सवार थे।

मची अफरा तफरी

चश्मदीदों ने बताया कि इस वाहन के तालाब में गिरते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई और लोग अपने स्वजनों की तलाश में बदहवास देखे गए। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई और इनमें से कई लोगों ने बचाव अभियान में मदद की।

शास्त्रीय गायक पंडित मिश्र का 89 साल की उम्र में निधन

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल, जिनकी गायकी से पूरी होती थी काशी की होली

काशी की गंगा जैसी गूंजती स्वरधारा थे पंडित छन्नूलाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/मिर्जापुर

'पद्म विभूषण' हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। मिर्जापुर में अपनी बेटी के घर पर उन्होंने अल सुबह 4.15 बजे अंतिम सांस ली। पंडित छन्नूलाल मिश्र को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान के लिए जाना जाता रहा है और आगे भी देशवासी उनके इस योगदान को हमेशा याद रखेंगे। 'फागुन मास के समय खेले मसाने में होली दिगम्बर- खेले मसाने में होली' की गायकी ▶▶|शेष पेज 7 पर

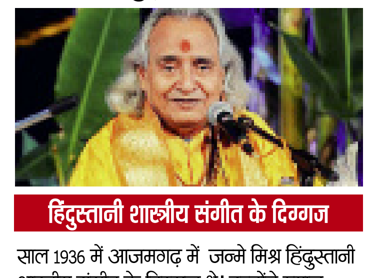

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज

साल 1936 में आजमगढ़ में जन्मे मिश्र हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज थे। उन्होंने ख्याल, ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी और भजन जैसी शैलियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मिश्र ने अपने पिता बद्री प्रसाद मिश्र के साथ-साथ किराना घराने के उस्ताद अब्दुल गनी खान और ठाकुर जयदेव सिंह से संगीत की शिक्षा प्राप्त की थी।

मोदी के रहे वाराणसी सीट से प्रस्तावक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर गायक के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे सदैव उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा।

फिल्म के लिए भी गाया था गाना

अमिताभ बच्चन, सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'आरक्षण' के लिए भी छन्नूलाल मिश्र ने एक गाना गाया था। इस गाने को काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा उन्होंने कई भजन और गजल भी गाए हैं, लेकिन बॉलीवुड में उनका ये गाना काफी पॉप्युलर हुआ था, इस गाने का नाम है, सांस अलबेली।

हटाए जाएंगे मृत मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली। सभी राज्यों में निकट भविष्य में, मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण में बिहार जैसी प्रवृत्ति देखने को मिलेगी, जहां कई वर्षों के बाद लाखों मृत व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। निर्वाचन आयोग का मानना है कि जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार के आंकड़ों को चुनाव मशीनरी से जोड़ने की प्रणाली स्थापित हो जाने पर, मृत व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने का मुद्दा अंततः सुलझ जाएगा। प्रक्रिया शुरू होने के बाद, एक अगस्त को प्रकाशित मसौदा सूची में 7.24 करोड़ मतदाता थे, क्योंकि लगभग 65 लाख नाम हटा दिए गए थे, जिनमें 22 लाख मृत व्यक्ति भी शामिल थे।

श्री
हनुमंत कथा
दिव्य दरबार
04 से 08 अक्टूबर 2025
कथा समय :
दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक
अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पूज्य
पं. श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी
(बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर)
के पावन मुखारविंद से
स्थान : दही हांडी उत्सव स्थल, अवधपुरी मैदान,
श्रीनगर रोड, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.)
स्वागत रूट मैप
एयरपोर्ट 11 बजे
भारत माता चौक 11.30 बजे
पहाड़ी चौक
शुक्रवारी बाजार
जगन्नाथ मंदिर, गुढ़ियारी
परशुराम चौक, पड़ाव
हनुमान मंदिर गुढ़ियारी
स्वागत रूट
रायपुर एयरपोर्ट
भारत माता चौक
पहाड़ी चौक
शुक्रवारी बाजार
जगन्नाथ मंदिर, गुढ़ियारी
परशुराम चौक, पड़ाव
हनुमान मंदिर गुढ़ियारी
कथा स्थल रूट मैप
कार पार्किंग
बाईक पार्किंग
नोट : कथा स्थल में पहुंचने के लिए दो पहिया वाहन का ही उपयोग करें।
-: समाज हेतु सामूहिक संकल्प पंच परिवर्तन के सूत्र :-
पर्यावरण संरक्षण
सृष्टि का संरक्षण केवल विज्ञान का विषय नहीं, बल्कि धर्म और संस्कृति का अभिन्न अंग है। भारत की परंपरा "वृक्ष देवता, नदी माता और पृथ्वी को माता" मानने की रही है। इस कारण से समाज में 3 पी का संकल्प जरूरी है (पानी, पेड़ संरक्षण एवं पॉलीथिन बहिष्कार)।
सामाजिक समरसता
(समस्त समाज)
समाज की शक्ति तभी जागृत होगी जब जाति, ऊँच-नीच और भेदभाव मिटेगा। "वसुधैव कुटुम्बकम्" का भाव तभी साकार होगा जब हम सबको एक समान दृष्टि से देखें।
कुटुम्ब प्रबोधन
(आदर्श हिन्दू परिवार)
परिवार भारतीय समाज की रीढ़ है। पश्चिमी संस्कृति के बढ़ते प्रभाव ने जहाँ परिवार को विखंडित करने का प्रयास किया है वहीं हमारा देश समाज और राष्ट्र को सबसे सशक्त इकाई मानता है। बच्चों में संस्कार, परंपरा का संरक्षण और परिवार के महत्व का बोध ही कुटुंब प्रबोधन है।
नागरिक कर्तव्य
(नागरिक शिष्टाचार)
स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि कर्तव्यों का भी स्मरण कराती है। कानून का पालन, राष्ट्रहित में सहयोग, ईमानदारी और सामाजिक दायित्व ही श्रेष्ठ नागरिक का परिचय हैं।
स्व का बोध
(स्वदेशी युक्त जीवनशैली)
स्वामी विवेकानंद जी के विचार उनके पथ-प्रदर्शक रहे हैं। स्वामीजी ने राष्ट्र के गौरव को पुनर्स्थापित करने और युवाओं में आत्मनिर्भरता, आत्मगौरव और संस्कृति के प्रति श्रद्धा जगाने का आह्वान किया था। स्व बोध का अर्थ है- अपने राष्ट्र, संस्कृति, परंपरा, भाषा और जड़ों को पहचानना व उन पर गर्व करना। जब तक समाज अपनी पहचान और शक्ति को नहीं समझेगा, तब तक वह दूसरों पर निर्भर रहेगा।
विशेष सहयोग : हनुमान मंदिर ट्रस्ट, गुढ़ियारी, रायपुर
आयोजक : स्व. श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउण्डेशन | चंदन बसंत अग्रवाल (थानखम्हरिया)
विनीत : समस्त हनुमान भक्त एवं सनातनी

रायपुर

शुक्रवार 3 अक्टूबर 2025

आश्विन शुक्ल पक्ष एकादशी

वर्ष : 24, अंक : 78

पृष्ठ : 12+4 +4 = 20 मूल्य : 5 .00**

मौसम

अधि. 31.5

न्यून. 23.5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पांच साल पर फिर 26 से भारत-चीन हवाई सेवा

नई दिल्ली। विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता से चीन के ग्वांगझू के लिए उड़ानें फिर शुरू करेगी। यह विमान सेवा पांच साल बाद शुरू हो रही है। वर्ष 2020 की शुरुआत तक दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें चालू थीं। कोरोना महामारी के कारण सेवाएं निलंबित कर दी गईं। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के मद्देनजर ये सेवाएं बाद में भी निलंबित रहीं। हाल की कूटनीतिक पहल के बाद, इंडिगो ने एक बयान में कहा कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता से ग्वांगझू के लिए दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी।

कोलंबिया में राहुल के आरोप पर सियासी बवाल

राहुल का आरएसएस-भाजपा पर वार, कहा- उनकी विचारधारा में कायरता, भड़की भाजपा

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि मौजूदा समय में भारत में 'लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला' हो रहा है। देश के लिए यह जरूरी है कि विभिन्न परंपराओं को पनपने दिया जाए, क्योंकि हम चीन जैसा नहीं कर सकते जहां लोगों का दमन किया जाता है और एक अधिनायकवादी व्यवस्था चलाई जाती है। संघ और भाजपा पर वार करते हुए कहा कि उनकी विचारधारा में कायरता है। राहुल के बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राहुल गांधी ने कोलंबिया के मेडेलिन स्थित ईआईए विश्वविद्यालय में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि चीन की तुलना में भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है और भारत की शक्तियां पड़ोसी देश से बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एक बहुत पुरानी आध्यात्मिक परंपरा और एक विचार प्रणाली है, जिसमें गहरे और उपयोगी विचार शामिल हैं जो आज की दुनिया के लिए लाभकारी हैं। साथ ही ▶▶|शेष पेज 7 पर

■ **भाजपा नेताओं ने बयान पर जताई कड़ी आपत्ति**

जटिल संरचना और वैश्विक भूमिका

कोलंबिया में राहुल गांधी ने भारत की तुलना चीन से करते हुए कहा कि चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत की व्यवस्था अनेक भाषाओं, संस्कृतियों और धर्मों के कारण जटिल है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है।

वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति

राहुल ने कहा कि भारत, चीन का पड़ोसी और अमेरिका का साझेदार होने के नाते, वैश्विक शक्तियों के टकराव के केंद्र में है। उन्होंने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के ध्रुवीकरण अभियान पर भी टिप्पणी की, जो उनके अनुसार मुख्य रूप से बेरोजगारों पर केंद्रित है।

भाजपा ने राहुल को बताया भारत विरोधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कोलंबिया में दिए गए हालिया बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी भारत विरोधी हैं। भारत और उसकी प्रगति से नफरत करने वाला व्यक्ति ही विदेशी धरती पर जाकर कह सकता है कि भारत अग्रणी नहीं हो सकता। इसी मानसिकता के ▶▶|शेष पेज 7 पर

लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उन्हें लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा बताते हुए कहा कि राहुल गांधी बार-बार विदेशी मंचों से भारत की संस्थाओं और सेना पर सवाल उठाकर देश का अपमान करते हैं।

प्रेम प्रसंग का मामला

सनकी युवक ने दिनदहाड़े युवती की चाकू से गोदकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सिरफिरे आशिक ने दिनदहाड़े युवती की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पेट्रोल पंप में काम करने वाली युवती पर आरोपी ने चाकू से हमला किया और जब उसने बचने का प्रयास किया तो पूरे परिसर में दौड़ाकर बेरहमी से मारा। इस हमले में युवती बेहोश होकर गिर गई। खून से लथपथ युवती को उपचार के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। इधर वारदात को अंजाम देकर भाग रहे युवक को स्थानीय लोगों ने साहस का परिचय देते हुए पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। यह घटना पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। फिलहाल पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के चांदो थाना अंतर्गत शाहपुर मगाजी निवासी 28 वर्षीया ▶▶|शेष पेज 7 पर

चल रही है जांचः पेट्रोल पंप में काम करने वाली युवती पर आरोपी ने चाकू मारा है। इस घटना में युवती की अस्पताल में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्रेम प्रसंग के कारण हत्या की गई है। आरोपी को इस बात की शंका थी कि युवती किसी और युवक से बात करती है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।
-अमोलक सिंह ढिल्लो, एएसपी सरगुजा

पकड़ने दौड़े लोगों पर भी किया हमला

घटना के बाद आस पास में हड़कंप मच गया। युवती ने अंतिम समय तक संघर्ष किया और इसी कारण लगभग एक फीट का चाकू आरोपी से छूटकर गिर गया इसके साथ ही आरोपी अपना बैग भी मौके पर छोड़कर बगल की गली में भाग निकला। हमले के दौरान इस दौरान पेट्रोल पंप के बगल में स्थित फ्रेंड्स चिकन के संचालक गुरदेव सिंह युवक को दौड़ाकर पकड़ लिया लेकिन आरोपी ने गुरदेव सिंह का गला पकड़कर दबा दिया और अपने पास रखे एक एयर गन को निकाल कर तान दिया। इस दौरान गुरदेव सिंह के भाई ने आरोपी के सिर पर एक ईंट मारी तो आरोपी वहां से फिर भागने लगा जिसपर लोगों ने शोर मचाया।

चार मृतकों की पहचान

चार हफ्तों में सौंपनी होगी रिपोर्ट

लद्दाख हिंसा के 9 दिनों बाद दिया गया आदेश!

लेह में कैसे हुई चार लोगों की मौत? होगी मजिस्ट्रेट जांच

एसडीएम मुकुल बेनीवाल को सौंपा जिम्मा | घटना के पीछे छुपी असली वजहों का खुलेगा राज

एजेंसी ▶▶| लेह

लद्दाख प्रशासन ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी और कई दर्जन नागरिक व सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे। यह हिंसा अपेक्स बॉडी के नेता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक की ओर से प्रस्तावित एक महीने के अनशन के 15वें दिन भड़की थी, जब अनशन के कारण दो महिला कार्यकर्ताओं की हालत गंभीर होने की खबरें सामने आईं। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और 78 सुरक्षाकर्मियों सहित 120 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हिंसा में भाजपा लद्दाख कार्यालय और कई सुरक्षा वाहनों को जला दिया गया और प्रदर्शनकारी छात्रों ने सरकारी कार्यालयों पर हमला किया। घटना के नौ दिन बाद अब लद्दाख प्रशासन ने सभी राजनीतिक हलकों से भारी दबाव के बाद तथ्यों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं।

घटना की जांच की मांग की गई

लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची और भूमि अधिकारों सहित लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए आंदोलन और लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, जनता दल, सीपीआईएम और यहां तक कि लद्दाख के पूर्व भाजपा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस घटना की जांच की मांग की थी। इन हत्याओं के कारण एलएबी और केएडी को 30 सितंबर को गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत से हटना पड़ा और 6 अक्टूबर को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व वाली उच्चस्तरीय गृह मंत्रालय की टीम और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली उच्चस्तरीय वार्ता का बहिष्कार करना पड़ा।

लेह के जिला मजिस्ट्रेट का आदेश

लेह के जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश संख्या 03 न्यायिक समीक्षा 2025 दिनांक 26/09/2025 के तहत **IAS** अधिकारी मुकुल बेनीवाल, जो वर्तमान में नुबरा के उप-मंडल मजिस्ट्रेट हैं उनको जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें ये जांच 4 सप्ताह में पूरी करनी है।लद्दाख प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे 4 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच डीसी ऑफिस कॉन्फ्रेंस हॉल, लेह या जाँच अधिकारी के कार्यालय में जांच आयोग के समक्ष उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत करें. जांच का उद्देश्य गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति, पुलिस कार्रवाई और परिणामस्वरूप चार व्यक्तियों की मृत्यु के विस्तृत तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगाना है।

चार मृतकों की पहचान

चार मृतकों की पहचान जिग्मेट दोरजे, पुत्र यूंटन चोस्पेल, निवासी खरनाक, रिनचेन दादुल, सो त्सेरिंग मोरुप, निवासी हनु, स्टैनजिन नामगेल, पुत्र नवांग जोटपा, निवासी इगू और त्सेवांग थारचिन, पुत्र स्टैनज़िन नामग्याल, निवासी स्कर्बुचन के रूप में की गई है। इसके बाद पेश साक्ष्यों और सबूतों को दर्ज करने के बाद चार सप्ताह की अवधि के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाएगी। आदेश में आगे कहा गया है कि नोटिस के आधार पर घटना के बारे में जानकारी रखने वाला या घटना के संबंध में जांच अधिकारी के समक्ष मौखिक साक्ष्य/लिखित बयान/सामग्री साक्ष्य (फोटो या वीडियो रिकॉर्डिंग) देने का इच्छुक/इच्छुक कोई भी व्यक्ति नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर बयान/साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।' लद्दाख प्रशासन ने सभी संबंधित गवाहों से अपील की है और उनसे निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए अपना सहयोग देने का अनुरोध किया है।

खबर संक्षेप

'मैं जल्दी काम शुरू करूंगा' खड़गे का पहला रिएक्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हार्ट की सर्जरी के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को कहा है कि उनका जल्द ही काम पर लौटने का इरादा है। 83 वर्षीय खड़गे को मंगलवार बेंगलुरु के एम एस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बुधवार को उन्हें पेसमेकर लगाया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए कहा, 'मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं।'उन्होंने आगे कहा, 'मेरा इरादा जल्द ही अपना काम शुरू करने का है।'

लोकसभा में थरूर को फिर बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को कई संसदीय स्थायी समितियों का पुनर्गठन किया और दो प्रवर समितियों, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, का गठन किया। इसमें कांग्रेस नेता शशि थरूर को फिर से बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। थरूर विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे।

इग्नू ने आगे बढ़ाई एडमिशन रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2025 में नए प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि फिर से बढ़ा दी है। ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) और ऑनलाइन कार्यक्रमों में जुलाई 2025 के नए शैक्षणिक सत्र के लिए अभी तक पंजीकरण न कराने वाले छात्र इन कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण करा सकते हैं, जिसकी अब नई अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। मुक्त विश्वविद्यालय ने सर्टिफिकेट और सेमेस्टर-आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर सभी ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन मोड कार्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है।

सर क्रीक विवाद पर राजनाथ ने दी चेतावनी

'पाकिस्तान को ऐसा जवाब देंगे कि इतिहास-भूगोल दोनों बदल जाएगा'

विजयादशमी के दिन भुज मिलिट्री बेस पहुंचे रक्षामंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विजयादशमी के दिन भुज मिलिट्री बेस पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शस्त्र पूजन किया। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के L-70 एयर डिफेंस गन का जोरदार तरीके से इस्तेमाल किया गया था। आज राजनाथ ने इस हथियार का भी तिलक किया। गुजरात के कच्छ इलाके में खड़े होकर रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने सर क्रीक इलाके में किसी तरह की हिमाकत की तो ऐसा जवाब दिया जाएगा कि वो अपना इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएगा।

सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस इलाके तक भारत के डिफेंस सिस्टम को भेदने की नाकाम कोशिश की, जबकि भारत की सेनाओं ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह एक्सपोज कर दिया और दुनिया को यह संदेश दे दिया कि भारत की सेनाएं जब चाहें, जहां चाहें और जैसे भी चाहें पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल 70 एयर डिफेंस गन का किया पूजन

पाकिस्तान की नीयत में खोट : राजनाथ ने कहा- आजादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक क्षेत्र में सीमा विवाद को हवा दी जा रही है। भारत ने बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने के कई प्रयास किए, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है। उसके इरादे साफ नहीं हैं। जिस तरह से पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में सर क्रीक से सटे इलाकों में अपने सैन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है, उससे उसकी नीयत का पता चलता है।

भारत का मकसद युद्ध करना नहीं

सिंह ने यह भी कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है और स्थिति को बिगाड़कर पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू करना उसका उद्देश्य नहीं था। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान ने सर क्रिक इलाके में कोई भी हिमाकत की तो उसे करारा जवाब मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा- जबाव ऐसा होगा कि पाकिस्तान का इतिहास और भूगोल बदल जाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान पर सर क्रीक क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को जानबूझकर भड़काने का आरोप भी लगाया।

यह है वर्षों पुराना सर-क्रीक विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच सर क्रीक का मुद्दा वर्षों से चल रहा है। यह जल क्षेत्र गुजरात के कच्छ जिले और सिंध की सीमा के पास स्थित है। यह विवाद अरब सागर स्थित कच्छ के रण में 96 किलोमीटर लंबे मुहाने को लेकर है जो गुजरात को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान ने संपूर्ण खाड़ी क्षेत्र पर अपना मालिकाना हक जताता है। इसके जवाब में भारत का प्रस्ताव था कि कच्छ के रण से लेकर खाड़ी के मुख तक की एक सीधी रेखा को सीमारेखा मान लेना चाहिए। परंतु यह प्रस्ताव पाकिस्तान को मंजूर नहीं था। इस तरह से सर क्रीक खाड़ी का करीब 650 वर्ग किलोमीटर का हिस्सा आज भी विवादित है। इस क्षेत्र से कई बार पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा भारतीय मछुआरों को उठा ले जाने की खबरें आती रहती हैं। सियाचिन के बाद सर क्रीक भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ाने वाली एक और सीमारेखा है।

रणनीतिक महत्व

सर क्रीक का रणनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह अरब सागर के निकट है और यहीं से कराची पोर्ट तक पहुंचने का मार्ग है। इसके साथ ही समुद्री इलाकों में हाइड्रो कार्बन और प्राकृतिक गैस के संभावित भंडार भी चर्चा का विषय रहे हैं।

प्रकाश पर्व में शामिल होने केंद्र ने दी मंजूरी

भारत-पाक तनाव के बीच पाक जाएगा सिख जत्था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत सरकार ने सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान जाने की मंजूरी दे दी है, जहां वे आगामी 5 नवंबर को गुरु नानक देव के 555वें प्रकाश पर्व में शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस अवसर पर विशेष जत्था पाकिस्तान जाएगा और वहां स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों में माथा टेककर धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेगा। हर साल बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु इस मौके पर पाकिस्तान के ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब सहित अन्य गुरुद्वारों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हालांकि इस साल पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के चलते भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है।

इस साल प्रकाश पर्व के मौके पर सिख जत्थे की पाकिस्तान यात्रा को भारत सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर मंजूर मिल गई है। सुरक्षा और यात्रा से जुड़े इंतजामों पर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच समन्वय किया जाएगा। धार्मिक भावना और आस्था से जुड़ी इस यात्रा का सिख समुदाय लंबे समय से इंतजार कर रहा था।

गृहमंत्रालय के 'परामर्श' पर मचा था बवाल

हाल ही में गृह मंत्रालय ने एक परामर्श जारी किया था, जिसमें नवंबर में होने वाले गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख श्रद्धालुओं के जत्थों को पाकिस्तान जाने से रोकने की बात कही गई थी। यह परामर्श 12 सितंबर को छह राज्यों को भेजा गया था और इसमें सुरक्षा परिस्थितियों के साथ-साथ पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले का भी जिक्र किया गया था। 14 सितंबर को हुए भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद यह मुद्दा और गरमा गया। कई राजनीतिक दलों और सिख समुदाय के नेताओं ने सरकार के इस कदम पर सवाल खड़े किए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे 'दोहरा रवैया' बताया था।

दुर्गा पूजा उत्सव...

कोलकाता। दुर्गा पूजा उत्सव के अंतिम दिन, गुरुवार को कोलकाता, बंगाल में देवी दुर्गा की मूर्ति के विसर्जन के लिए एक धार्मिक जुलूस में भाग लेती महिलाएं। इस दौरान यहां 'सिंदूर खेला' का भी आयोजन किया गया।

ब्रिटेन के यहूदी इलाके में हमला दो की मौत, संदिग्ध भी मारा गया

सिनेगॉग में पवित्र 'योम किप्पुर' के दिन बनाया गया निशाना

एजेंसी ▶▶| लंदन

ब्रिटेन के मैनचेस्टर में यहूदियों को उनके पवित्र 'योम किप्पुर' के दिन निशाना बनाया गया है। पुलिस ने पुष्टि की है कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है जबकि संदिग्ध हमलावर भी गोली लगने से मारा गया है। तीन और लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। प्रमुख यहूदी इलाके सिनेगॉग पर हुआ यह अटैक अब तक की सबसे गंभीर घटनाओं में गिना जा रहा है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने बताया कि एक कार सीधे सिनेगॉग के बाहर खड़े लोगों की तरफ दौड़ाई गई। इसके बाद हमलावर ने चाकू निकालकर एक व्यक्ति पर वार किया। भीड़ में भगदड़ मच गई और लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। घटना के वक्त बड़ी संख्या में लोग सिनेगॉग में मौजूद थे क्योंकि यहूदी समुदाय अपना त्योहार मना रहा था। हमले के तुरंत बाद पुलिस ने 'ऑपरेशन प्लाटो' लागू किया। यह टेरर अटैक जैसी बड़ी घटनाओं में इस्तेमाल किया जाने वाला स्पेशल अलर्ट है।

पीएम कीर स्टार्मर ने दिया सख्त संदेश

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने हमले को 'चौंकाने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि यहूदी समुदाय की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और देशभर के सिनेगॉग्स पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मैनचेस्टर का यह हमला ब्रिटेन में बढ़ती एंटी-इजरायल भावनाओं की ओर इशारा करता है।

तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने लिया एक्शन

स्कूल में शाखा, हिरासत में 39 आरएसएस कार्यकर्ता

एजेंसी ▶▶| चेन्नै

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नै में पुलिस ने गुरुवार को 39 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह घटना चेन्नै के पोरूर इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, इन कार्यकर्ताओं पर एक सरकारी स्कूल में बिना अनुमति के पूजा और विशेष 'शाखा' प्रशिक्षण आयोजित करने का आरोप है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई जब 2 अक्टूबर को आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हुए। उधर, बीजेपी नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने चेन्नै पुलिस की ओर से आरएसएस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए क्योंकि यह एक शुभ दिन है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, चेन्नै के पोरूर के पास 39 आरएसएस सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। क्योंकि उन्होंने बिना पूर्व अनुमति के अय्यप्पनथंगल सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु पूजा और विशेष शाखा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया था।

विजयादशमी पर हुई पूजा, पंचांग गणना के अनुसार निश्चित की गई तिथि

बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को होंगे शीतकाल के लिए बंद

एजेंसी ▶▶| बदरीनाथ

बदरीनाथ, यमुनोत्री, मध्यमहेश्वर और तुंगनाथ धामों के शीतकालीन कपाट बंद होने की तिथियां घोषित हो गई हैं। बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को बंद होंगे, जबकि मध्यमहेश्वर 18 नवंबर और यमुनोत्री 23 अक्टूबर को बंद होंगे। तुंगनाथ के कपाट 6 नवंबर 2025 को बंद होंगे। इन प्रमुख तीर्थस्थलों के कपाट बंद होने से पूर्व विशेष पंच पूजाएं और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे, जिसके बाद श्रद्धालु अगले छह माह तक मां यमुना और अन्य देवों के शीतकालीन प्रवास स्थलों पर दर्शन कर सकेंगे। बदरीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को शाम दो बजकर 56 मिनट पर बंद होंगे। कपाट बंद किए जाने के लिए 21 नवंबर से पंच पूजाएं शुरू होंगी। वहीं द्वितीय केदार भगवान मध्यमहेश्वर के कपाट 18 नवंबर से ही बंद हो जाएंगे। कपाट बंद करन के लिए विजयदशमी के अवसर पर ओंकारेश्वर मन्दिर ऊखीमठ में पंचांग गणना के हिसाब से तारीख सुनिश्चित की गई।

यमुनोत्री, मध्यमहेश्वर और तुंगनाथ धामों के बंद होने की तिथि भी आई

5 नवंबर को किया जाएगा देवरा प्रस्थान

बदरीनाथ धाम के कपाट बंद किए जाने के लिए विजयदशमी पर मंदिर प्रंगाण में वैदिक मंत्र उच्चारण किया गया। इसके साथ ही पंचांग गणना के आधार पर भगवान तुंगनाथ के शीतकालीन कपाट बंद करने की तारीख निकाली गई। वहीं कपाट बंद किए जाने से पहले सभी जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा। इसके लिए पांच नवंबर 2025 को देवरा प्रस्थान किया जाएगा। इसके बाद छह नवंबर 2025 को बाबा के कपाट सभी श्रद्धालुओं को आगामी 6 महीने के लिए बंद किए जाएंगे। डोली उसी दिन छह नवंबर को डोली चोपता नागक स्थान में रात्रि विश्राम करेंगे और सात नवंबर को भनकुन पहुंचेगी।

यमुनोत्री धाम के कपाट 23 को बंद

दीवाली के बाद भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के यमुनोत्री धाम के कपाट बंद किए जाएंगे। दशहरा पर्व पर मां यमुना के शीतकालीन प्रवास के लिए खरसाली गांव में स्थित यमुना मंदिर में आहूत बैठक हुई। इसी दौरान यमुनोत्री धाम के कपाट बंद करने की तारीख और मुहुर्त निकाला गया। यमुना मंदिर में आहूत बैठक के दौरान निकाली गई। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि तारीख और मुहुर्त के अनुसार, 23 अक्टूबर को विधि-विधान से धन लग्न अमृत वेला पर दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट बंद कर दिए जाएंगे।

बस्तर दशहरा की प्रमुख रस्म भीतररैनी रथ परिक्रमा गुरुवार को सिंहड्योढ़ी से शुरू हुई। बारिश के चलते विलंब से शुरू हुआ आठ चक्के के विशाल विजय रथ की परिक्रमा से पूर्व देवी के छत्र और खड्ग के साथ मुख्य पुजारी द्वारा पूर्ववत मावली मंदिर की प्रदक्षिणा करते हुए परिक्रमा की। इस रथ परिक्रमा विधान में चार पहियों के फूलरथ के स्थान पर आठ पहियों वाला विशालकाय विजय रथ परिक्रमा के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसके निर्माण में फूलरथ की

देवी के छत्र और खड्ग के साथ रथ पर सवार हुए मुख्य पुजारी

विजय रथ को चुराकर कुम्हड़ाकोट के जंगल ले गए किलेपाल परगना के ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विजय पर्व में चलायमान होने के कारण विजय रथ अथवा भीतर रैनी रथ कहा जाता है। यह रथ विजयादशमी के दिन अपने पूर्व निर्धारित मार्ग पर ही परिक्रमा करता है। इसे खींचने के लिए कोड़ेनार-किलेपाल परगना के आदिवासियों का विशेष अधिकार होता है। जिन्होंने रथ परिक्रमा के बाद रथ को चुराकर सिरहासार से लगभग 3 किमी दूर कुम्हड़ाकोट के जंगल में ले गए। इसे खींचने के लिए कोड़ेनार-किलेपाल परगना से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। रथ परिक्रमा देखने लोगों का जनसैलाब उमड़ा रहा। वहीं विजय रथ आगे सैकड़ों देवी देवता रथ की अगुवानी करते हुए चल रहे थे।

परिक्रमा पूर्ण हो जाने के बाद परम्परानुसार चोरी किया विजय रथ

सिरहासार भवन के करीब से विजय रथ की परिक्रमा शुरू की गई। यहां से जगन्नाथ मंदिर, गोलबाजार, जयस्तभं चौक, गुरूगोविंद सिंह चौक होते हुए रथ दंतेश्वरी मंदिर स्थित सिंहड्योढ़ी पहुंची इसके बाद देर रात विजयरथ चोरी करके मेनरोड, लालबाग होते हुए नगर से लगभग 3 किलोमीटर दूर कुम्हड़ाकोट के जंगल में ले जाकर छुपा दिया गया।

आज नयाखाई, महाराजा समेत हजारों देवी- देवताओं का होगा संगम

दशहरा की प्रमुख रस्म बाहर रैनी रथ परिक्रमा शुक्रवार को कुम्हड़ाकोट के जंगल से शुरू होगी। परम्परानुसार किलेपाल परगना के ग्रामीणों के साथ महाराजा यहां नए चावल का खीर खाएगें, जिसे नयाखानी रस्म कहा जाता है। इसके उपरांत भीतर रैनी रस्म में चोरी कर ले जाया गया विजय रथ को वापस दंतेश्वरी मंदिर स्थित सिंहड्योढ़ी के सामने लाया जाएगा। परम्परानुसार विजय रथ को किलेपाल परगना के ग्रामीणों द्वारा चोरी कर ले जाया जाता है। वहीं रथ को वापस लाने के लिए महाराजा कमलचन्द्र भंजदेव लाव लश्कर के साथ कुम्हड़ाकोट पहुंचेंगे। यहां परम्परानुसार ग्रामीणों को मनाकर उनके साथ नयाखानी में शामिल होने के बाद शाम को कुम्हड़ाकोट से दंतेश्वरी मंदिर के सामने रथ को वापस लाया जाएगा।

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में झांकी देखने गए युवक की मौत

धमतरी। बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार समीपस्थ ग्राम पुरुर निवासी राजवीर यादव उर्फ राहुल पिता प्रह्लाद उम्र 19 वर्ष मजदूरी करता था। बुधवार की रात्रि राजवीर, पुरुर के दोस्त हेमराज साहू और सूरज साहू के साथ मोटरसाइकिल में झांकी देखने धमतरी आ रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे में तेज रफ्तार अज्ञात कार , युवकों की बाइक को ठोकर मार भाग गई। कार की टक्कर से युवक बाइक सहित दूर जा गिरे। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए वरदान एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल लाया गया। डाक्टर ने राजवीर यादव उर्फ राहुल को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घायल सूरज साहू पिता बृजलाल उम्र 17 वर्ष की गंभीर हालत को देखते हुए उसे रायपुर रिफर कर दिया। घायल हेमराज साहू पिता सुकालूराम उम्र 23 वर्ष का जिला अस्पताल में उपचार किया गया। चौकी पुलिस ने गुरुवार को पंचनामा की कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

महिला की हत्या कमरे में मिला देवर

दल्लीराजहरा। शहर के वार्ड 17 में गुरुवार की रात एक महिला की रहस्यमयी परिस्थितियों में हत्या हो गई। मृतका की पहचान शीतल सेंदरे के रूप में हुई है, जो शासकीय 100 बिस्तर अस्पताल में संविदा कर्मचारी के रूप में सफाई कार्य करती थी। बताया जा रहा है कि महिला के पति की कुछ समय पूर्व ही मृत्यु हो चुकी थी और वह अपने 5 वर्षीय बच्चे के साथ किराए के मकान में रहती थी। सूत्रों के अनुसार मृतका का देवर अमन सेंदरे घटना के वक्त भी उसके साथ घर में मौजूद था। दो दिनों से वह महिला के साथ रह रहा था। गुरुवार को जब मृतका की मां घर पहुंची तो युवक ने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। संदेह की स्थिति में मोहल्लेवासियों की मदद से दरवाजा खुलवाया गया। अंदर का नजारा देख लोग दंग रह गए। शीतल का शव कमरे में पड़ा हुआ था, चेहरे पर खून के निशान थे और उसे कंबल से ढककर रखा गया था। वहीं कमरे से शराब की सात-आठ खाली बोतलें भी बरामद हुईं।

पिछले साल धान बेचने वाले किसानों को सोसाइटी में करना होगा ये काम

गिरदावरी व डिजिटल क्रॉप सर्वे के बाद भी किसानों को रकबे का मिलान कराना होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बेचने के पहले सोसाइटी में जाकर अपने रकबे का मिलान कराना होगा। राज्य में पटवारी गिरदावरी और डिडिटल क्रॉप सर्वे के बाद भी रकबे का भौतिक सत्यापन खाद्य विभाग के पीवी एप के माध्यम से भौतिक सत्यापन के बाद ही प्रविष्ठियों में परिवर्तन किया जा सकेगा। यह काम 31 अक्टूबर तक हो सकेगा। राज्य में पिछले साल धान बेचने वाले 25 लाख 49 हजार किसानों में से करीब डेढ़ लाख किसानों का डाटा जांच में मैच कर गया है यानी सही पाया गया है।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने इस संबंध में राज्य के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किया है। इसमें खास डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं गिरदावरी का मोबाइल एप पीवी एप से सत्यापन के संबंध में निर्देश दिए गए है। कहा गया है कि ए की कृ त किसान पोर्टल में खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए किसान पंजीयन तथा पंजीकृत किसान द्वारा अपने भूमि पर लिए गए फसल का नाम तथा रकबा को अपडेट करने की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक करनी होगी।

हरिभूमि सरोकार

खाद्य विभाग के पीवी एप से होगा भौतिक सत्यापन

खास बात ये है कि राज्य में गिरदावरी एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे का संशोधन का प्रावधान 30 सितंबर तक के लिए रखा गया था। इसके बाद पीवी एप के माध्यम से ही भौतिक सत्यापन उपरांत प्रविष्टियों में परिवर्तन किया जा सकेगा। यह एप 15 सितंबर 2025 से गो लाइव हो चुका है। इस ऐप के माध्यम से दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक प्रविष्टियों में परिवर्तन किया जा सकेगा।

इस तरह होगी फसलों की जांच

एग्रीस्टैक के डिजिटल क्रॉप सर्वे ,भुईयां सॉफ्टवेयर में किये गये फसल धान की प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टि की रैंडम सत्यापन हेतु एक मोबाइल ऐप तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से तीन स्तर पर फसल प्रविष्टि की रैंडम सत्यापन किया जाना है। प्रथम चरण में ऐप के माध्यम से चिन्हांकित खसरों का सत्यापन कलेक्टर द्वारा चिन्हांकित राजस्व, कृषि आदि विभाग के फील्ड अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा किया जावेगा। सत्यापन में प्रविष्टि गलत पाये जाने पर उस प्रविष्टि को भौतिक सत्यापन पर सुधार 31 अक्टूबर के पूर्व करने कहा गया है। प्रथम स्तर पर सत्यापित प्रविष्टियों में से 5 प्रतिशत प्रविष्टियां जो कि एप द्वारा चिन्हांकित किये जाएंगे, की जांच कलेक्टर एवं उसके द्वारा चिन्हांकित उपखण्ड एवं जिला के अधिकारी के द्वारा किया जावेगा। जिला स्तर पर सत्यापित प्रविष्टियों में से 2 प्रतिशत प्रविष्टि की जांच राज्य स्तर के अधिकारी द्वारा की जावेगी।

पंजीकृत किसानों को करना होगा ये काम

राज्य में अब से पहले पूर्व के वर्षों में ये व्यवस्था रही है कि जिन किसानों ने पिछले साल धान बेचा है उनका डाटा अगले साल के लिए कैरी फार्वर्ड हो जाता था। उन्हें इसके लिए सोसाइटी में जाने की जरूरत नहीं होती थी, लेकिन अधिकारियों के मुताबिक इस साल किसानों को सोसाइटी में जाकर ये देखना होगा कि उनके धान का कितना रकबा पटवारी गिरदावरी और डिजिटल क्रॉप सर्वे में आया है। अगर बोए गए धान का रकबा बराबर आ रहा है, तो कुछ नहीं करना है, लेकिन अगर रकबा कम आ रहा है, तो उन्हें रकबा में सुधार करवाना होगा। वजह ये है कि इस बार धान खरीदी के लिए एग्रीस्टेक फार्मर आईडी को अनिवार्य किया गया है। तथा फार्मर आईडी से लिंक समस्त फार्म आईडी खसरों के आधार पर एग्रीस्टेक से पंजीयन के उपरांत ही खाद्य विभाग के पोर्टल पर धान खरीदी की जाएगी।

जुर्म दर्ज, जांच कर रही पुलिस

समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष ने हड़प लिया विधवाओं का मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सड़क हादसे में दो बेटों की मौत के बाद एक महिला व बहुओं को मिले बीमा क्लेम के 21 लाख समाज के तत्कालीन प्रदेश उपाध्यक्ष ने हड़प लिया। पुलिस अपराध कायम कर मामले की जांच कर रही है।

सिविल लाइन पुलिस के अनुसार, बालोद जिले के ग्राम कुमुरकट्टा निवासी उर्मिला बाई सेन 50 साल ने रिपोर्ट लिखाई। जनवरी 2024 में उनके दो बेटे भुवनेश्वर सेन, पिंकूराम सेन बहन के घर राजनांदगांव जा रहे थे। रास्ते में ट्रक की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद समाज के तत्कालीन प्रदेश उपाध्यक्ष अंबिकापुर शक्तिपारा निवासी अविनाश ठाकुर ने महिला और उसकी बहुओं को बीमा क्लेम की रकम दिलाने का भरोसा दिया। महिला ने आरोप लगाया कि अविनाश ठाकुर ने उन्हें बिलासपुर कोर्ट में मामला लगाने के लिए राजी किया। कोर्ट के आदेश पर बड़ी बहू सुनीता सेन के 20 लाख, छोटी बहू दिलेश्वरी सेन को 19 लाख रुपए का बीमा कलेम स्वीकृत हुआ। इस दौरान अविनाश ठाकुर ने दोनों को बिलासपुर बुलाकर पंजाब नेशनल बैंक में खाते खुलवाया। महिला और उनकी बहुओं से दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। लेकिन पूरी राशि आरोपी ने अपने पास रख ली। परिवार को महज 70 हजार रुपए थमा कर शेष 21 लाख रुपए बैंक में जमा कराने का झांसा देकर रख लिया। महिला उसकी बहूओं ने बार बार रकम लौटाने की मांग की तो उसने साफ इनकार कर दिया। समाज के बैठक में अविनाश ठाकुर ने अपनी गलती मानी और रकम लौटाने का आश्वासन दिया। बाद में वह अपने वादे से पलट गया और दबाव बनाने पर आत्महत्या की धमकी देने लगा। पुलिस ने उर्मिला बाई की रिपोर्ट पर अविनाश ठाकुर के खिलाफ बीएनएस की धारा 318, 4 के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

जमा करने का झांसा देकर रख लिया

टूटे बिजली तार की चपेट में आने से बच्चे की मौत

कुसुमकसा। ग्राम पंचायत कारूटोला में विद्युत विभाग की घोर लापरवाही के चलते एक बड़ा हादसा हो गया। विद्युत लाइन के टूटे तार की चपेट में आने से कक्षा चौथी में पढ़ने वाले 10 वर्षीय बालक दक्ष कुमार उईके की मौत हो गई। बताया गया है कि मृतक दक्ष कुमार उईके अपने साथियों के साथ खेल रहा था। खेलते हुए वह पानी से भरे एक छोटे गड्ढे के पास पहुंचा, जहां बिजली का तार टूटा हुआ पड़ा था। करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत राजहरा के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने विगत कई दिनों से विद्युत लाइन के तार टूटने की शिकायत विद्युत विभाग के अधिकारियों से की थी, लेकिन लापरवाही बरतते हुए टूटे तारों को खुला छोड़ दिया गया। आक्रोशित महिलाएं, पुरुष और युवा शाम लगभग 5 बजे मानपुर चौक में मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर धरने पर बैठ गए।

अगमधाम खड़ुआ में विजयदशमी गुरु दर्शन मेला उत्सव पर्व

पवित्र शोभायात्रा निकली, गुरु परिवार ने लोगों को दिया दर्शन और आशीर्वाद

रायपुर। अगमधाम खड़ुआ में 1 अक्टूबर को नगर भ्रमण विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में गुरु परिवार गाड़ी पर सवार होकर मेला उत्सव में आए हुए सभी लोगों को दर्शन देते हुए मंदिर की ओर आगे बढ़े, वहां पर गुरुगद्दी की पूजा अर्चना कर जैतखम में पालो चढ़ाया गया। उसके बाद मैथ में जाकर जगतगुरु आगमदास ममतामयी मिनी माताजी राजराजेश्वरी करुणा माताजी, कनक माता, सोनम दीदी को पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा अर्चना की गई। उसके बाद 2 अक्टूबर विजयदशमी के दिन पवित्र शोभा यात्रा अपरान्ह 4 बजे प्रारंभ होकर सभा मंच गुरु गद्दी गुरु विजय कुमार उर्फ अग्रवाल गुरुजी एवं जगतगुरु रुद्र कुमार बाबा गुरु रिपु दमन गुरु शामिल होकर सभी लोगों को गुरु दर्शन का लाभ देते हुए सबको आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़कर मंच पर पहुंचकर।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए इस पर्व में सतनामी धर्म आदेशक निर्देशक संचेतक गुरु गद्दीनशीन सतनामी धर्म के नियंत्रण जगतगुरु विजय कुमार गुरुजी निरंतर तीन दिनों तक दर्शन दिए। साथ में जगतगुरु रुद्र कुमार गुरु रिपुदमन, राजराजेश्वरी कौशल माताजी श्री मीनाक्षी उर्फ सरिता माता, प्रियंकाउर्फ दीदी गुरु तथा नीति दीदी गुरु मेले में आए हुए सभी को दर्शन और अपना शुभ आशीर्वाद दिया। लोगों को सुख शांति समृद्धि का भी आशीर्वाद दिया। लोगों से कहा कि नशे के विरुद्ध एकजुट होकर नशा को अपने जीवन से दूर भगाएं। अपने शरीर को स्वस्थ रखें।

सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब धर्ममंच से करेंगे मार्गदर्शन

भंडारपुरीधाम में गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला आज, मुख्यमंत्री देंगे करोड़ों की सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ भंडारपुरी धाम/ खरोरा / आरंग/रायपुर

गुरु घासीदास बाबा की कर्मस्थली भण्डारपुरीधाम 3 अक्टूबर को आस्था, विश्वास एवं भक्ति के अद्वितीय संगम से सराबोर होगा। देशभर के संत एवं मानव समाज भण्डारपुरीधाम में होने वाले गुरु दर्शन एवं संत समागम मेला में शामिल होकर घासीदास बाबा एवं गुरु परिवार से आशीर्वाद प्राप्त करेगा। यह स्थान सतनामी पंथ की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

यह मेला गुरु घासीदास बाबा के पुत्र गुरु बालकदास साहेब के गद्दीनशीन होने की

फाइल फोटो

स्मृति में हर साल आयोजित होता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भण्डारपुरी धाम में 162.28 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन कर विकास की ऐतिहासिक नींव रखेंगे। कार्यक्रम में डॉ. रमन सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा, अरुण साव उपमुख्यमंत्री, विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री, अजय जामवाल क्षेत्रीय संगठन महामंत्री भाजपा, पवन साय प्रदेश संगठन महामंत्री भाजपा, रामविचार नेताम मंत्री, ओपी चौधरी मंत्री, टंकराम वर्मा मंत्री, दयालदास बघेल मंत्री, बृजमोहन अग्रवाल सांसद, कमलेश जांगड़े सांसद जांजगीर चांपा लोकसभा, पुन्नुलाल मोहले विधायक मुंगेली, डोमनलाल कोर्सेवाडा विधायक अहिवारा, डॉ. नवीन मारकंडे प्रदेश महामंत्री भाजपा, डॉ. सनम जांगड़े प्रदेश अध्यक्ष अनु. जाति मोर्चा, श्याम नारंग जिला अध्यक्ष ग्रामीण रायपुर भाजपा इनके अलावा अन्य शामिल होंगे।

सुख समृद्धि की कामना कर सेतखाम में चढ़ाएंगे पालो

सतनामी समाज के धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब का सानिध्य एवं मार्गदर्शन सभी मानव समाज को प्राप्त होगा, जो उनके जीवन और समाज में अभूतपूर्व परिवर्तन लाएगा। राजागुरु, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब के नेतृत्व में बाबा गुरु ढालदास साहेब, गुरु मकसूदन साहेब , गुरु सोमेश बाबा, गुरु खुशवंत साहेब, गुरु सौरभ साहेब मोतीमहल से घोड़ा बग्गी में सवार होकर विशाल रैली के साथ मानव समाज का अभिवादन स्वीकार करते हुए धर्ममंच पर पहुंचेंगे। गुरु परिवार के सदस्यों द्वारा गुरु गद्दी की पूजा अर्चना के साथ समस्त मानव समाज के कल्याण एवं सुख समृद्धि की कामना कर सेतखाम में पालो चढ़ाया जाएगा। भण्डारपुरी धाम पंथी के धुन, अखाड़ा के पराक्रम, सतनाम मंगल भजन, सांस्कृतिक संध्या के साथ विभिन्न आयोजनों से भव्य और दिव्य वातावरण से आलौकित होगा। इस स्वर्णिम क्षण का साक्षी बनने और पुण्यलाभ प्राप्त करने सभी को आमंत्रित किया गया है।

चिंतन

अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाक

कुत्ते की दुम को चाहे 14 साल नली में रखो, तो भी वह टेढ़ी ही रहेगी। हिन्दी की यह कहावत पड़ोसी पाकिस्तान पर सौ फीसदी फिट बैठती है। लगातार भारत से हार के झटके खाने के बाद भी वो सुधरने का नाम नहीं ले रहा। अभी बीते दिनों ही आपरेशन सिंदूर में हार से सबक लेने की बजाए वो अब नई खुराफात में लगा है। लगातार खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान सर क्रीक क्षेत्र में अपनी सेना के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने में जुटा है। सर क्रीक विवाद 1960 के दशक से दोनों देशों के बीच लंबित है। सर क्रीक विवाद की वजह ये है कि भारत और पाकिस्तान यहां अपनी समुद्री सीमाओं की व्याख्या अलग तरह से करते हैं। वैसे इस विवाद की नींव 1914 के बॉम्बे सरकार के एक प्रस्ताव से पड़ गई थी। उस प्रस्ताव का मकसद सिंध और कच्छ डिवीजनों के बीच सीमा रेखा तय करना था। इसके नौवें पैराग्राफ के अनुसार सीमा क्रीक के पूर्व में पड़ती है। मतलब क्रीक सिंध का हिस्सा होता, लेकिन, साल 1947 में देश के बंटवारे के बाद, सिंध पाकिस्तान में चला गया और कच्छ भारत का हिस्सा बन गया। ऐसे इलाकों के लिए बने एक खास नियम को 'थैलवेग सिद्धांत' के नाम से जाना जाता है। पर पाकिस्तान का दावा है कि सर क्रीक में जहाज नहीं चल सकते। इसलिए, वह कहता है कि थैलवेग सिद्धांत यहां लागू नहीं होना चाहिए। जबकि,भारत का कहना है कि जब ऊंची ज्वार आती है तो यह पूरा इलाका जहाज चलाने के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हो जाता है। यह भारतीय उपमहाद्वीप में मछली पकड़ने के लिए सबसे बड़ा इलाका है। इसी वजह से यहां आए दिन पाकिस्तानी मछुआरे चोरी छिपे घुसने की कोशिश में पकड़े जाते हैं और उनकी नौकाएं जब्त कर ली जाती हैं। पाकिस्तान अपने नापाक इरादों को अंजाम देने की कोशिश में यहां हमेशा लगा रहता है, लेकिन, दुर्गम दलदली क्षेत्र होने की वजह से यहां आवाजाही बहुत मुश्किल है। इसी इलाके में वह बदनाम क्षेत्र भी है, जो हरामी नाला के नाम से कुख्यात है। सुरक्षा बलों के लिए भी यहां गश्ती आसान नहीं है, क्योंकि गर्मियों में यहां दिन अत्यधिक गर्म और सर्दियों में रातें भयानक ठंडी हो जाती हैं। गुजरात के कच्छ के रण और पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर लंबा दलदल वाला एक ज्वारीय मुहाने का नाम एक ब्रिटिश नागरिक पर पड़ा है। अब पाकिस्तान इस क्षेत्र में आर्मी के लिए सुविधाएं जुटाने में लगा है। उसकी इस नापाक हरकत पर विजयदशमी के दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जमकर फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक कह दिया है कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि सर क्रीक का एक रास्ता कराची तक भी जाता है। रक्षा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ने विवाद को बातचीत के माध्यम से सुलझाने की कई सारी कोशिशें कीं, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में ही खोट है, इसका इरादा अस्पष्ट है। सर क्रीक से सटे इलाके में पाकिस्तानी आर्मी ने हाल में जिस तरह से मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया है, वह उसका इरादा उजागर करता है। उसने अगर गुस्ताखी की तो उसका इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकते हैं। ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की इस चेतावनी के बाद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आएगा। क्योंकि उसकी फितरत ही नापाक हरकतें करने की है। वो कहावत है ना कि जूते के आदी बातों से नहीं मानते, बस यही हाल हमारे पड़ोसी का भी है। भारत को हमेशा इसके लिए तैयार रहना होगा, तभी हम पाक को नापाक करते रहेंगे।

गाजा प्रकरण
डॉ. एन. के. सोमानी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात के बाद जिस 20 सूत्री योजना का खाका सामने आया है, उससे पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप की इस योजना में इजरायली बंधकों को रिहा करने, हमास को हथियार विहीन करने व गाजा के पुनर्विकास की बात कही गई है। इजरायल ने योजना पर अपनी सहमति दे दी है लेकिन हमास अभी किन्तु-परन्तु की स्थिति में है। हमास का कहना है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना पर विचार करके प्रतिक्रिया देगा। कुल मिलाकर कहें तो प्रस्तावित शांति योजना में हमास को क्षेत्र से पूरी तरह से बाहर करने की कोशिश की गई।

शांति के प्रयास में हमास का सहयोग जरूरी

पिछले दो साल से जंग की आग में झुलझ रहे गाजा में शांति बहाली की हल्की उम्मीद दिखाई देने लगी है। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात के बाद जिस 20 सूत्री योजना का खाका सामने आया है, उससे पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद की जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप की इस योजना में इजरायली बंधकों को रिहा करने, हमास को हथियार विहीन करने व गाजा के पुनर्विकास की बात कही गई है। इजरायल ने योजना पर अपनी सहमति दे दी है लेकिन हमास अभी किन्तु-परन्तु की स्थिति में है। हमास का कहना है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना पर विचार करके प्रतिक्रिया देगा। हालांकि ट्रंप ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि उसके पास तीन-चार दिन का वक्त है, वरना परिणाम दुखद होंगे। लेकिन सवाल यह है कि जिस तरह से ट्रंप ने अपनी योजना में गाजा की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था से हमास को पूरी तरह से अलग रखने की बात कही है क्या हमास उसको स्वीकार कर सकेगा। दूसरा योजना में जिस तरह से फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के तौर पर प्रस्तुत करने की परिकल्पना की जा रही है, नेतन्याहू इसके लिए राजी होंगे। यह सवाल इसलिए बड़ा हो जाता है क्योंकि नेतन्याहू ने कभी भी फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के तौर पर स्वीकार नहीं किया है। पिछले दिनों जब ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता देने का ऐलान किया तो नेतन्याहू ने इसे आंतकवाद को प्रोत्साहित करने का बेतुका इनाम बताते हुए इजरायल के अस्तित्व को खतरे में डाल देने वाला कदम कहा। ऐसे में संभावना इस बात की भी है कि ट्रंप की प्रस्तावित शांति योजना जनवरी में हुए युद्ध विराम समझौते की तरह हमास-इजरायल हथकंडों की भेंट चढ़ जाए।

डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल-हमास के बीच युद्ध विराम को लेकर अरब देशों के साथ एक 20 सूत्री शांति प्रस्ताव साझा किया है। शांति प्रस्ताव में इजरायल-हमास के बीच जारी संघर्ष को रोकने व पश्चिम एशियाई क्षेत्र में शांति के लिए गाजा को कट्टपंथ और आतंकवाद मुक्त क्षेत्र बनाने की बात कही गई है। प्रस्तावित शांति योजना के अनुसार इजरायल गाजा पर दावा नहीं करेगा और कभी उस पर कब्जा करने की कोशिश नहीं करेगा। दोनों पक्षों की सहमति पर युद्ध विराम लागू होगा। इजरायली सेना पीछे हटेगी और बंधकों की रिहाई की तैयारी की जाएगी। इस दौरान सभी सैन्य गतिविधियां स्थगित रहेंगी। इसके अलावा शांति योजना में हमास को 72 घंटे के भीतर सभी बंधकों (जीवित या मृत) को वापस करना होगा। बंधकों की रिहाई के बाद इजरायल आजीवन कारावास की सजा काट रहे 250 कैदियों और 1700 गाजा वासियों को रिहा करेगा। प्रस्तावित शांति योजना में गाजा के पुनर्निर्माण का चरणबद्ध उल्लेख किया गया है। गाजा के पुनर्निर्माण का काम वहां के नागरिकों की इच्छानुसार जाएगा। प्रशासनिक कार्य के लिए एक गैर राजनीतिक समिति का गठन किया जाएगा। हमास और अन्य गुटों को इस समिति से दूर रखा जाएगा। समिति के कार्यों की निगरानी के लिए एक बोर्ड ऑफ पीस का प्रावधान भी किया गया है जिसके अध्यक्ष स्वयं डोनाल्ड ट्रंप हैं। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर सहित अन्य वैश्विक

नेताओं को बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। बोर्ड का मुख्य कार्य गाजा के विकास और इसके लिए वित्तीय संसाधन जुटाने का होगा। हमास और अन्य गुटों से समझौते की पालना करवाने और गाजा भविष्य में किसी अन्य देश के लिए खतरा नहीं बनेगा, इस बात की जिम्मेदारी क्षेत्रीय देशों के कंधों पर डाली गई है। क्षेत्र में शांति स्थापना के प्रयासों को किसी तरह से नुकसान न पहुंचे, इसके लिए अमेरिका अपने अरब और दूसरे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय बल तैनात करेगा। यह बल फिलिस्तीन में पुलिस प्रणाली को विकसित और प्रशिक्षित करने का काम भी करेगा।

कुल मिलाकर कहें तो प्रस्तावित शांति योजना में हमास को क्षेत्र से पूरी तरह से बाहर करने की कोशिश की गई। दरअसल, सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच छिड़ी जंग में अब तक 66 हजार से अधिक लोगों की मौतें हो चुकी हैं जिनमें बड़ी संख्या में बच्चों और औरतें भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन गाजा के मानवीय संगठन पर चिंता जता रहे हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे देश गाजा में तत्काल युद्ध विराम करने और इजरायल से नागरिकों की मदद करने के लिए मानवीय सहायता उपलब्ध करवाने का आग्रह कर रहे हैं। लेकिन अमेरिकी शह के चलते इजरायल सभी तरह के प्रस्तावों की अनदेखी करता रहा।

हालांकि, इससे पहले जनवरी माह में 15 महीने के नरसंहार के बाद दोनों पक्ष तीन चरणों वाले युद्ध विराम समझौते के लिए सहमत हुए थे। इस समझौते में 19 जनवरी से छह सप्ताह के लिए सैन्य कार्रवाइयों पर रोक लगाने, इजरायली सेना के वापस लौटने और जबरन विस्थापित हुए फिलिस्तीनियों को अपने घरों को लौटने की बात कही गई थी। समझौते में गाजा में बंदी बनाए गए इजरायली नागरिकों को रिहा करने व इजरायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनियों को रिहा करने की बात कही गई थी। युद्ध विराम समझौते में इजरायल ने प्रतिदिन गाजा में 600 ट्रक मानवीय सहायता भेजने की अनुमति दी थी। लेकिन मार्च के मध्य में समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा शुरू हो पाती, उससे पहले ही इजरायल ने हमास पर हथियार जुटाने तथा नये हमले की योजना बनाने का आरोप लगाकर समझौता समाप्त कर दिया और गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए। हमले के पीछे इजरायल का तर्क था कि हमास बंधकों की रिहाई में आना-कानी कर रहा है। निसंदेह, ट्रंप की योजना फिलिस्तीन और इजरायल के लोगों के साथ-साथ पूरे पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक शांति, सुरक्षा और विकास के स्वप्न को साकार करने में एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। लेकिन योजना की सफलता का बड़ा दारोमदार हमास और इजरायल के नेताओं की सद्इच्छा पर निर्भर करेगा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस योजना का भारत सहित कई अरब और मुस्लिम देशों ने समर्थन किया है।

इन देशों में जॉर्डन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किए, सऊदी अरब और मिस्त्र शामिल है। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने इस योजना की पुष्टि की है। बहुत संभव है कि अगले कुछ दिनों में इस पर मुहर भी लग जाए। लेकिन जिस तरह से गाजा के राजनीतिक और प्रशासनिक ढांचे के निर्माण और विकास से हमास को अलग रखा गया है उसे देखते हुए कहना मुश्किल है कि पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक शांति के प्रयास सफल होंगे। यही नहीं, अब भारत इजरायल-हमास जंग को लेकर एक संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का सम्मेलन बुला रहा है। इसमें दुनिया के दर्जनों देश हिस्सा लेंगे, हालांकि पाकिस्तान और चीन को न्यौता नहीं भेजा गया।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

नवाचार
सुनील कुमार महला

इंसान बनाम आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस होगा अब रोजगार

आज विज्ञान और तकनीक का युग है। विज्ञान और तकनीक के इस युग ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है और एआई भी निश्चित रूप से इनमें से एक है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम सभी एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जमाने में सांस ले रहे हैं और वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तेजी से हमारे जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। एआई से काम करना आज बहुत आसान या यूं कहें कि सरल हो गया है। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, कृषि, उधोग व व्यापार, परिवहन, सुरक्षा, बैंकिंग व वित्त, मनोरंजन, घर और दैनिक जीवन, अंतरिक्ष तक आज कौनसा क्षेत्र है, जहां एआई से काम नहीं हो रहा है? यानी कि सब जगह आज एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल या प्रयोग किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, संचार, बैंकिंग, कृषि, उद्योग और सुरक्षा जैसे लगभग सभी क्षेत्रों में एआई का प्रयोग बढ़ने से जहां अनेक नए अवसर पैदा हो रहे हैं, वहीं रोजगार के परिदृश्य में भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कई विशेषज्ञों का यह मानना है कि आने वाले वर्षों में एआई पारंपरिक नौकरियों को प्रभावित करेगी और काम करने के तरीकों में मूलभूत परिवर्तन लाएगी। मानव की तुलना में एआई विभिन्न कार्यों को तेजी और सटीकता से करने में सक्षम है। परिणामस्वरूप, कई जगह मानव श्रमिकों (मैनपावर) की आवश्यकता घटने लगी है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि एआई का प्रभाव मुख्यतः उन क्षेत्रों पर अधिक होगा, जहां कार्य दोहराए जाते हैं और निर्णय सीमित जानकारी के आधार पर लिए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर कस्टमर सपोर्ट के लिए पहले जहां कॉल सेंटर में हजारों कर्मचारी कार्य करते थे, आज वहां चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट यह काम कर रहे हैं। इसी प्रकार निर्माण उद्योग में उत्पादन, पैकेजिंग और क्वालिटी चेक जैसे कार्य रोबोट द्वारा किए जा रहे हैं। आज सेल्फ ड्राइविंग गाड़ियां आ चुकीं हैं, ये सब एआई के कारण संभव हुआ है, यह ठीक है लेकिन भविष्य में ये सब परिवहन के क्षेत्र में ड्राइवरों और डिलीवरी कर्मचारियों की मांग कम कर सकते हैं। आज एआई के कारण लेखा-जोखा और बैंकिंग का काम आसान हो गया है। एआई आधारित सॉफ्टवेयर तुरंत गणना, विश्लेषण और रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं, पहले इसके लिए मैनपावर की जरूरत होती थी। आज एआई का उपयोग मीडिया के क्षेत्र में और कंटेंट तैयार करने में किया जा रहा है। समाचार लेखन, अनुवाद और वीडियो संपादन जैसे काम भी अब आंशिक रूप से एआई कर रहा है, ऐसे में मैनपावर की जरूरत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। यह भी एक तथ्य है कि हालांकि, एआई से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन साथ ही नए रोजगार भी बनेंगे।

उदाहरण के लिए, एआई सिस्टम को डिजाइन करने, उसका रखरखाव करने और उसे सुरक्षित बनाने के लिए विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी। आज के युग में निरंतर डाटा वैज्ञानिक, मशीन लर्निंग इंजीनियर, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और एआई नैतिकता से जुड़े पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त, यह भी एक तथ्य है कि एआई के कारण हेल्थकेयर, शिक्षा और कृषि क्षेत्र समेत अनेक क्षेत्रों में नए नवाचार होंगे, जिससे नई तरह की नौकरियां पैदा होंगी। संक्षेप में कहें तो एआई के दोनों पहलू हैं। इसमें अवसर (अपार्चुनिटीज) भी हैं और चुनौतियां (चैलेंजेज) भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पारंपरिक नौकरियों पर निर्भर लोगों को नए कौशल सिखाना और तकनीक के अनुकूल बनाना आज के समय की बड़ी मांग है। इसके लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम चलाए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, एआई का नैतिक और जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करना भी जरूरी है ताकि यह केवल मुनाफे का साधन न रहकर मानव कल्याण का साधन बने। एआई मशीन आधारित तकनीक है, इसमें मानव जैसी भावनाएं, संवेदनाएं या नैतिक मूल्य स्वयं से मौजूद नहीं होते। यह केवल डेटा, एल्गोरिद्म और प्रोग्रामिंग पर आधारित होकर कार्य करता है। यदि हम रचनात्मक सोच, तकनीकी शिक्षा और कौशल-विकास पर ध्यान दें तो एआई नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। सच तो यह है कि एआइ के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही पहलू हैं। एआई के सकारात्मक पहलू की बात करें तो यह नई नौकरियों के सृजन,काम की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादकता में वृद्धि, सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन की दृष्टि से एक वरदान है। वहीं दूसरी ओर एआई से नौकरियों के खत्म होने के साथ ही साथ कौशल असमानता का खतरा पैदा हो सकता है। एआई में मानव भावनाओं का अभाव होता है। एआई से इंसान के अपने सोचने और समस्या हल करने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आनंदमय कोष की प्राप्ति

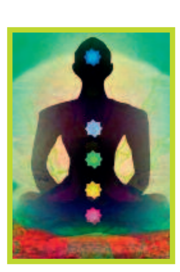

संकलित
दर्शन

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रुधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत् भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है।दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरों तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाह्य और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।

गुरु नानक जी के आशीर्वाद का रहस्य

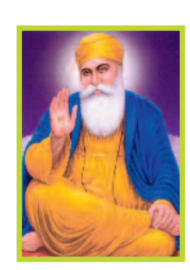

संकलित
प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा किः सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

सिंदूर खेला

प्रयागराज में गुरुवार को 'सिंदूर खेला' के दौरान महिलाएं एक-दूसरे को सिन्दूर लगाती हैं। विजयादशमी पर 'दुर्गा पूजा' का अंतिम दिन माना जाता है?

आज की पाती

कब खत्म होगी बुराई

दशहरा, जिसे विजयदशमी भी कहा जाता है, हमारे समाज में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण का दहन करके यह संदेश दिया जाता है कि बुराइयां समाप्त हो जाएं और धर्म और नैतिकता की स्थापना हो। परंतु आज के दौर में यह पर्व केवल उत्सव और मनोरंजन का साधन बनता जा रहा है। रावण दहन के पुतले जलते हैं, मगर समाज में व्याप्त रावण– यानी अपराध, दुराचार और नैतिक पतन– लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर साल दशहरे पर लोग बड़े उत्साह के साथ रावण के पुतले फोड़ते और जला देते हैं। इसका उद्देश्य हमेशा यह रहा कि बुराइयों का नाश हो और अच्छाई की विजय हो। लेकिन वर्तमान समाज में यह प्रतीकात्मक क्रिया केवल दृश्य मनोरंजन बनकर रह गई है। इस अवसर पर समाज को यह चिंतन करना है कि क्या सचमुच बुराई खत्म हो गई या नहीं?

– प्रवीण भाटिया, भाटापारा

करंट अफेयर

अफगान में इंटरनेट सेवा बंद होने पर भ्रम फैला

अफगानिस्तान में इंटरनेट कनेक्टिविटी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, क्योंकि कुछ नेटवर्क बुधवार को फिर से चालू हो गए, जो सोमवार से बंद थे। असोसिएटेड प्रेस (एपी) ने पहले एक बयान की खबर दी थी, जिसमें कहा गया था कि तालिबान ने इंटरनेट बंद होने की घटना को जानबूझकर नहीं बताया और कहा कि पुरानी फाइबर ऑप्टिक केबलें खराब हो गई थीं, जिनकी अब मरम्मत की जा रही है। हालांकि बाद में यह पता चला कि यह बयान झूठा था। तालिबान कभी–कभी पाकिस्तानी पत्रकारों से संवाद करने के लिए एक व्हाट्सएप समूह का इस्तेमाल करते हैं। यह झूठा बयान उस समूह के कुछ सदस्यों को व्यक्तिगत रूप में भेजा गया था लेकिन इसे समूह में नहीं डाला गया था। यह संदेश एक अफगान उपयोगकर्ता ने भेजा था, जिसका नाम तालिबान के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह के नाम से मिलताजुलता था। संदेश भेजने वाला यह व्यक्ति गायब हो गया है और उसकी पहचान का पता नहीं चल सका। वही बयान सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी पोस्ट किया गया था लेकिन वह तालिबान के बजाय तालिबान समर्थक द्वारा चलाए गए एक अकाउंट से था। इंटरनेट की बंदी के कारण एपी के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल की मरम्मत पर और जानकारी हासिल करने के वास्ते तालिबान के प्रवक्ता से संपर्क करना मुश्किल था।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

ट्रेंड

भारतीय संगीत को क्षति

बनारस घराने के एक प्रकाशमान व्यक्तित्व पंडित छन्नूलाल मिश्र के निधन से भारतीय संगीत को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने शास्त्रीय गायन को नए आयाम दिए। कई अन्य सम्मानों के साथ उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था।"

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

खादी हमारी संस्कृति

खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा की अभिव्यक्ति है। यह हमारी संस्कृति, हमारे कारीगरों की मेहनत और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न का प्रतीक बनकर खड़ी है। खादी की यह यात्रा हमें स्मरण कराती है कि स्वावलंबन ही राष्ट्रीय गौरव का पथ है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

लालफीताशाही समाप्त

पिछले कुछ वर्षों में, हमने जन कल्याणकारी कार्यों से लालफीताशाही को समाप्त कर दिया है। मेरे या मेरे सहयोगियों के ध्यान में लाया गया कोई भी मुद्दा तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार किया जाता है।

- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

गांधी का संदेश

महान नेता महात्मा गांधी का नाम इतिहास के पन्नों पर स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। संघर्ष और मतभेदों से त्रस्त दुनिया में आज भी उनका संदेश भविष्य के लिए दिशा दिखाने वाले प्रकाश का काम करता है। खासकर बढ़ते विभाजन के दौर में।

- ममता बनर्जी, सीएम, प. बंगाल

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771–4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

विशेष : वन्यजीव सप्ताह 2-8 अक्टूबर

दुनिया के ये अनोखे चिड़ियाघर

बच्चो, जू यानी चिड़ियाघर ऐसी जगह होती है, जहां कई तरह के एनिमल्स और बर्ड्स को रखा जाता है। उनकी पूरी देखभाल की जाती है। लेकिन दुनिया में कुछ जू ऐसे भी हैं, जहां की विशेषताओं के बारे में जानकर तुम हैरान रह जाओगे। जानो, दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग चिड़ियाघरों के बारे में।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

बच्चो, तुम्हारे शहर या आस-पास के किसी शहर में चिड़ियाघर यानी जू देखने तो तुम जरूर गए होगे। यहां तुम तरह-तरह के वन्य जीवों को देख सकते हो। यहां तुम उन जंतुओं को भी देख सकते हो, जिनके केवल चित्र या वीडियो तुमने अपनी किताबों में, इंटरनेट या टीवी पर ही देखे होंगे। चिड़ियाघर के कर्मचारियों की देख-रेख में रह रहे इन जानवरों को देखने, इनके बारे में जानने-समझने का अपना अलग रोमांच होता है। वैसे तो देश-दुनिया में हजारों चिड़ियाघर हैं। लेकिन आज हम तुम्हें कुछ ऐसे चिड़ियाघरों के बारे में बता रहे हैं, जो अपनी विशेषताओं के कारण बहुत अनोखे हैं।

लेहेलेदु वाइल्ड लाइफ जू , चीन

बच्चो, लगभग सभी चिड़ियाघरों में जानवरों और पक्षियों को पिंजरों में रखा जाता है। लेकिन जरा सोचो, वो चिड़ियाघर कैसा होगा, जहां जानवर तो खुले में घूमते हैं, लेकिन उन्हें देखने जाने वाले इंसानों को पिंजरे में बंद रखा जाता है। ऐसा ही एक चिड़ियाघर है, चीन के चोंगकिंग में स्थित लेहेलेदु वाइल्ड लाइफ जू। इस चिड़ियाघर में पशु-पक्षी अपने प्राकृतिक आवास में खुलेआम घूमते हैं। जबकि यहां आने वाले पर्यटक सुरक्षित पिंजरेनुमा गाड़ी में बंद होकर यहां घूमते हुए जानवरों और अन्य पशु-पक्षियों को बेहद करीब से देख सकते हैं, उन्हें खिला सकते हैं। चीते, शेर जैसे खतरनाक जानवर तो कई बार पर्यटकों से भरे पिंजरेनुमा गाड़ी पर चढ़ भी जाते हैं। सोचो, ये सब कितना रोमांचक होता होगा न!

सिंगापुर चिड़ियाघर, सिंगापुर

यह दुनिया के बेहतरीन चिड़ियाघरों में एक माना जाता है। इस चिड़ियाघर को 11 पारिस्थितिक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित प्रजातियों/जीव-जंतुओं के लिए उनके अनुकूल आवास बनाए गए हैं। इस जू में बच्चों के लिए कई विशेष कार्यक्रम भी तैयार किए गए हैं। जैसे- किड्स रेंजर टूर, जिसमें बच्चे चिड़ियाघर संचालक की भूमिका निभाते हैं। इस जू में एनिमल शो का भी आयोजन किया जाता है, जो यहां घूमने आए लोगों के लिए एक यादगार अनुभव होता है।

ग्रेटर वैंकूवर जू, कनाडा

ब्रिटिश कोलंबिया क्षेत्र में बना यह चिड़ियाघर वैंकूवर गेम फार्म के रूप में शुरू हुआ था। तब यहां मुख्यतया हिरण जैसे छोटे जानवर रखे जाते थे। बाद में जब यहां जानवरों का संरक्षण किया जाने लगा, तब इसका नाम बदल कर ग्रेटर वैंकूवर जू कर दिया गया। अब यहां रेस्क्यू किए गए या बेसहारा जानवर भी रखे जाते हैं। यहां उन जानवरों को पुनर्वास और सुरक्षित माहौल दिया जाता है। पर्यटक यहां जू के स्टाफ के साथ जा सकते हैं, उनसे जानवरों की देखभाल के तरीके जान सकते हैं। यहां जानवरों की 150 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें अमेरिका के सफेद शेर, चीते, तेंदुए, सहारा के रेगिस्तानी दुर्लभ एडैक्स हिरण, अमेरिकी एल्क हिरण, सफेद पेलिकन, अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी बॉल्ड ईगल, बाइसन, ओरेगॉन, पेंटेड टर्टल पर्यटको को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। पर्यटक चिड़ियाघर में ओपन ट्रेन सफारी राइड का मजा भी उठा सकते हैं, जिसमें बैठकर पूरे चिड़ियाघर के जानवरों को पर्यटक आसानी से देख सकते हैं।

वैंकूवर जू में 'जुरासिक पार्क' मूवी की थीम से मिलता-जुलता डायनासोर वर्ल्ड भी है। इनमें डायनासोर के कई बड़े-बड़े एनिमाट्रॉनिक वर्किंग मॉडल बनाए गए हैं, जो धीरे-धीरे हिलते हैं और डरावनी आवाज भी निकालते हैं। उनके आगे लगे बोर्ड से आने वाले पर्यटक उनके बारे में जानकारी भी ले सकते हैं।

हेनरी डोरली जू, अमेरिका

अमेरिका के नेब्रास्का में स्थित यह चिड़ियाघर, दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए, मशहूर है। यहां जानवरों की एक हजार प्रजातियों के 20 हजार से अधिक जानवर रहते हैं। इस चिड़ियाघर में बड़े-बड़े इनडोर डोम (कांच के गुंबद) बनाए गए हैं, जिनमें इनडोर रेनफॉरेस्ट और दलदल (अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय जंगलों के जानवर और पौधे की तर्ज पर), दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर रेगिस्तान (अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी दक्षिण-पश्चिम के रेगिस्तान की तरह) को कृत्रिम रूप से बनाया गया है। यहां इन वातावरण में मिलने वाले जानवरों को भी रखा गया है।

इस चिड़ियाघर में दुनिया की सबसे बड़ी किंगडम ऑफ नाइट या रात्रिचर जानवरों को नॉक्टर्नल (रात्रिकालीन) माहौल में रखा जाता है। यानी कृत्रिम रूप से रात जैसा माहौल और तापमान बनाया जाता है, ताकि रात में सक्रिय होने वाले जीव-जंतुओं को दिन के समय भी सक्रिय देखा जा सके। इसके अलावा हेनरी डोरली चिड़ियाघर में उत्तर अमेरिका का सबसे बड़ा कैट कॉम्प्लेक्स भी है, जहां हिम तेंदुआ, अमूर बाघ, लाल पांडा जैसे हिमालय और एशिया की प्रजातियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां अफ्रीकी घास के मैदान में पाए जाने वाले जिराफ, हाथी, जेब्रा, शेर, हब्बर्ड गोरिल्ला वैली आदि देखे जा सकते हैं।

यहां सुजैन एंड वॉल्टर स्कॉट अंडरवॉटर टनल-एक्वेरियम में शार्क, रे, समुद्री कछुए, ट्रॉपिकल मछलियां जैसे विशाल महासागरीय जंतु भी देखे जा सकते हैं। कुल मिलाकर, हेनरी डोरली चिड़ियाघर पर्यटकों को जानवरों के साथ-साथ उनके पूरे ईकोसिस्टम को देखने, जानने-समझने का अवसर प्रदान करता है। *

क्रोकोसॉरस कोव, ऑस्ट्रेलिया

रोमांच के शौकीन लोगों के लिए ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में स्थित यह चिड़ियाघर बेस्ट है। यह चिड़ियाघर मूलतः मगरमच्छों के लिए बना है। इनके साथ ही यहां कई तरह के जलीय, स्थलीय ऑस्ट्रेलियन सरीसृपों जैसे-

सर्प, छिपकली, कछुए का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह भी है। पर्यटक इन्हें बेहद करीब से देख सकते हैं। पर्यटक यहां केज ऑफ डेथ नामक कांच के पारदर्शी पिंजरे में बैठकर 16 फीट गहरे पानी में विशाल मगरमच्छों को बिल्कुल करीब से देखने का रोमांचक अनुभव ले सकते हैं। मगरमच्छों को खिलाने का शो दिन में दो बार होता है। यहां मगरमच्छ के छोटे बच्चों को हाथ में पकड़ने-उठाने और उसके साथ फोटो खिंचवाने का भी मौका मिलता है।

कविता / सिराज अहमद

आए-बाए-साए

जंगल है
जंगल में मंगल
उसमें भालू
दौड़े हल-बल
खुश हो कूदे
बंदर गल-गल
उड़-उड़ कौआ
गाना गाए
आए-बाए-साए।
बत्तख चलती
डगमग-डगमग
घोड़ा दौड़ा
टकबक-टकबक
तोता करता
बक-बक, बक-बक
बैठा उल्लू
आंख घुमाए
आए-बाए-साए।
इतने में
बादल आ धमके
आपस में
लड़-लड़कर बमके
जंगल में
बरसे फिर जम के
गिरकर बूंदें
शोर मचाए
आए-बाए-साए।

बूझो तो जानें

1
दूध से उपजता मैं,
रंग मेरा होता सफेद।
प्रतिरोधकता खूब बढ़ाता,
जल्दी बताओ मेरा भेद।

2
गोल आकार है मेरा,
पेट में बीजों का बसेरा।
पाचन को करता दुरुस्त,
जो चख ले स्वाद मेरा।

3
रंग मेरा है बैंगनी,
डायबिटीज करता कंट्रोल।
पेट में मेरे रहती गुठली,
आकार है मेरा गोल।

- अलका जैन 'आराधना'

उत्तर : 1.दही, 2.अमरूद, 3.जामुन

जीके क्विज-173

1. पिछले दिनों अपने देश में चलती हुई ट्रेन से किस मिसाइल की लॉन्चिंग की गई?
2. हाल ही में किसे सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला है?
3. चीन का शोक किस नदी को कहा जाता है?
4. ताज महल किस नदी के तट पर स्थित है?
5. अंतरिक्ष यात्रियों को आकाश का रंग कैसा दिखाई देता है?
6. पीसा की झुकी मीनार कहां स्थित है?
7. कागज का आविष्कार सबसे पहले किस देश में हुआ?
8. गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति किस स्थान पर हुई थी?
9. हमारे शरीर का कौन-सा अंग हमारे रक्त को शुद्ध करता है?
10. सेब में कौन-सा अम्ल पाया जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-173 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-172 का उत्तर : 1.मोहनलाल, 2.कार्लोस अल्काराज, 3. 2 अक्टूबर, 4.गोपाल कृष्ण गोखले, 5.रविंद्रनाथ टैगोर, 6.चंपारण आंदोलन, 7.भारत छोड़ो आंदोलन, 8.1942, 9.महात्मा गांधी, 10.लाल बहादुर शास्त्री

जीके क्विज-172 का सही उत्तर देने वाले : आद्या-उमरिया, रमेश-बैकुंठपुर, कबीर-हिसार, अंकित-रायगढ़, विवेक-ईमेल से, सपना-बिलासपुर, मनीष-रोहतक, सुमन-बलौदा बाजार, राकेश-रायपुर, पलाश-मटियारी, अमन-बालोद

कहानी
इंदिरा त्रिवेदी

ऋषभ को दोस्तों के साथ सेल्फी और रील बनाने में बड़ा मजा आता था। इस चक्कर में वह खतरे भी मोल ले लेता था। एक बार ऋषभ अपने दोस्तों के साथ एक हिल स्टेशन पर गया। वहां सेल्फी में सनसेट का व्यू लेने में चक्कर में ऋषभ का पैर स्लिप हो गया, इसके बाद जो हुआ, उसके लिए बहुत बड़ा सबक था।

लाइक, कमेंट का चक्कर

आजकल मम्मी, ऋषभ की सेल्फी लेने और रील बनाने की बढ़ती आदत से बहुत परेशान हैं। वह जब देखो, जहां देखो वहां, सेल्फी लेने लगता है या फिर ऊटपटांग रील बनाता है। मम्मी-पापा ने उसे कितनी बार समझाया, 'ऋषभ पढ़ाई पर ध्यान दो, भविष्य में पढ़ाई ही काम आएगी।' लेकिन उसके कानों पर जूं नहीं रेंगती।

कोरोना के पहले की स्थिति बिल्कुल अलग थी। वह पूरा ध्यान पढ़ाई में लगाता था, लेकिन जब कोराना के समय पढ़ाई मोबाइल के जरिए होने लगी तो उसका स्क्रीन टाइम बढ़ गया, आगे और ज्यादा बढ़ता ही चला गया। मोबाइल की तो जैसे उसकी लत ही लग गई। फिर उसका दोस्त सूरज, उसे सोशल मीडिया के न जाने कौन-कौन से प्लेटफॉर्म पर रील बनाकर अपलोड करने की सलाह देता रहता। ऋषभ को जैसे इसका चस्का ही लग गया।

सेल्फी लेते समय बच्चों द्वारा की गई लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में आए दिन अखबारों में छपता रहता है। मम्मी-पापा अकसर उसे इन खबरों के बारे में बताते और समझाते रहते हैं। वह 'हां-हां' कहता, लेकिन अगले दिन फिर वह सेल्फी लेने और रील बनाने में व्यस्त हो जाता।

अभी पंद्रह दिन पहले की ही बात है। सेल्फी लेने के चक्कर में दो दोस्त इतने मशगूल हो गए कि उन्हें पता ही नहीं चला कि कब वे सड़क के बीचों-बीच आ गए और दुर्घटना का शिकार हो गए। मम्मी कई बार सोचतीं कि ऋषभ को समझाऊं कैसे? लेकिन उन्हें कोई उपाय नहीं सूझता।

रविवार का दिन था। ऋषभ बड़ी जल्दी सोकर उठ गया। यह देख मम्मी ने उससे पूछा, 'क्या बात है, आज तो तुम बड़ी जल्दी उठ गए?'

'अरे कुछ नहीं, वो सूरज के साथ कहीं घूमने जाना है।' ऋषभ बोला।

'क्या सेल्फी लेने और रील बनाने की कोई जुगाड़ हो गई है?' मम्मी ने जानना चाहा।

'अरे नहीं मां, आज छुट्टी है, इसलिए ऐसे ही घूमने जा रहे हैं।' ऋषभ ने बात बनाई।

'अच्छा सुन, किसी खतरनाक जगह पर मत जाना और अपना खयाल रखना।' मम्मी यह हिदायत देकर अपने काम में लग गईं।

'मम्मी, चिंता मत करो।' कहकर ऋषभ अपने दोस्त सूरज के साथ चला गया।

शाम करीब सात बजे मम्मी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया। उन्होंने उसे नहीं उठाया, क्योंकि आजकल होने वाली फ्रॉड की घटनाओं को देखते हुए अनजान कॉल रिसीव नहीं करती थीं। दो-तीन बार जब फोन की घंटी बजी तो मम्मी डर गईं। ऋषभ की सेल्फी की आदत से वह वैसे ही डरी-डरी रहती थीं। रह-रह कर उनके मन में बुरे-बुरे खयाल आने लगे।

उधर वही हुआ, जिसका डर था। ऋषभ और सूरज दोनों अपने शहर से दूर एक हिल स्टेशन पर गए थे। आज चूंकि मौसम बहुत अच्छा था, सूरज के अलावा ऋषभ के चार दोस्त और उनके साथ हो लिए थे, तो सब बहुत मस्ती के मूड में थे। सारे दोस्त किराए की एक जीप में सवार होकर हिल स्टेशन पहुंचे थे। सड़क पर कई जगहों पर रुक-रुक कर उन सभी ने सेल्फी ली और ढेर सारी रील्स भी बनाईं। उन सबको बहुत मजा आ रहा था, लेकिन सेल्फी में सनसेट का व्यू लेने के चक्कर में ऋषभ का पैर स्लिप हो गया। वह 80 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरने ही वाला था कि उसके साथियों ने उसे कसकर पकड़ लिया। ऋषभ को तो एक पल को लगा कि आज उसकी जान ही चली जाएगी। उसे मम्मी-पापा की हिदायतें रह-रह कर याद आने लगीं। वह यही सोचने लगा कि अगर उसे कुछ हो जाता तो बुढ़ापे में मम्मी-पापा का सहारा कौन बनता? उसकी छोटी बहन, जो उसे हर साल राखी बांधती है, वह उसकी रक्षा का वचन देता है, वो किसको राखी बांधती, कौन उसे रक्षा का वचन देता? उसके दादा-दादी की देखभाल कौन करता? ये सारी बातें उसके मन में आईं। ऋषभ ने फैसला किया कि अब वह सेल्फी लेने का अपना मोह छोड़ देगा। महज लाइक्स और कमेंट के लालच में अपनी जान दांव पर नहीं लगाएगा।

ऋषभ जब घर पहुंचा तो बहुत उदास था। मम्मी ने पूछा, 'बेटा क्या हुआ, इतने उदास क्यों हो?'

ऋषभ ने मम्मी को आज का सारा वाकया कह सुनाया। तब मम्मी को भी ध्यान आया कि उसके मोबाइल पर भी एक अंजान कॉल आई थी। मम्मी ने पूछा तो उसने अपने दोस्तों के बारे में बताया और यह भी बताया कि उस घटना के दौरान ही सूचना देने के लिए ऋषभ के दोस्त ने उन्हें कॉल किया था। ऋषभ ने कहा, 'मम्मी, मैं समझ गया कि मैंने आज जो किया, वह बहुत गलत है। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए।'

'चलो, देर आए दुरुस्त आए।' मम्मी ने उसके सिर पर हाथ फेरा। ऋषभ की बातों से उन्होंने राहत की सांस ली। *

कविता
डॉ. राकेश 'चक्र'

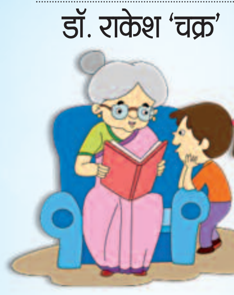

और बताओ मुझको नानी

सोचो नानी मुझे बताओ,
कैसे फूल डाल पर महकें।
भिन्न स्वाद के फल हम खाते,
खग पक्षी पेड़ों पर चहकें।।
और बताओ मुझको नानी,
बुलबुल क्यों गाती है गाना!
कभी हवा संयत हो जाए,
कभी बदल लेती है बाना!
मुझको नानी यह समझाओ,
तोते क्यों हरियल होते हैं?
और मोर के पंख निराले,
इतने रंगों के होते हैं!
प्यारी नानी, मुझे बताओ,
दिनकर क्यों है आग उगलता?
चंदा-मामा के मुखड़े पर,
खड्डे जैसा दाग झलकता!
और बताओ मुझको नानी,
बादल कैसे जल बरसाते?
कैसे सागर से जल लाकर,
भू,जीवों की प्यास बुझाते!
और बताओ मुझको नानी,
क्यों सागर का जल खारा है?
ऋतुओं की अदली-बदली से,
घटता बढ़ता क्यों पारा है?
कर दुलार, नानी फिर बोली,
प्रभु की ही है यह सब माया।
ईश्वर ही सबका मालिक है,
जिसने यह संसार बनाया।।

रंग भरो-186

रंग भरो-186 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

जॉन, अंबिकापुर

आशना, जांजगीर

आन्या, दुर्ग

रेयांश, बिलासपुर

माही, महासमुंद

डॉली, मटियारी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डिंपल-दुर्ग, पलक-अटेली मंडी, भूमिश-बिलासपुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, हरीश-करनाल, विनोद-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

रंग भरो 187

बच्चो, यहां बैलून से खेलती हुई लड़की और एक बर्ड का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

टीवी मसाला

शहबाज पर अभिषेक ने कसा तंज कैप्टेंसी टास्क में हुई बहसबाजी

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 में नया कैप्टन बनने के लिए एक टास्क प्रतियोगी कर रहे हैं। इस टास्क में शहबाज, बसीर अली, प्रणीत मोरे और अभिषेक बजात एक-दूसरे से बहसबाजी करते दिखे। खासकर अभिषेक बजाज ने शहबाज को काफी भला-बुरा कहा। बिग बॉस 19 के नए प्रोमो में कैप्टेंसी टास्क में बिग बॉस कहते हैं, 'डायनासोर छोटे डायनासोर को खा जाता है जब तक ये सलामत है आपके कैप्टन बनने का चांस भी बना रहेगा। ऐसे में सभी प्रतियोगी छोटे डायनासोर को बचाने की कोशिश करते हैं। इस दौरान एक-दूसरे पर तंज भी कसते हुए दिखते हैं। अभिषेक बजाज ने प्रोमो में शहबाज को कहा, 'तू कैप्टन तो नहीं बन सकता, क्योंकि सबका पालतू है और तेरा एक मालिक भी है।' इस बात को सुनकर शहबाज का चेहरा उतर गया। आगे प्रोमो में नजर आता है कि बसीर अली और प्रणीत मोरे भी आपस में बहसबाजी कर रहे हैं। बसीर ने प्रणीत को कहा, 'यहां से वैसे भी निकाल देंगे तुझको।'इस पर प्रणीत ने कहा, 'जितना जोर लगाना है लगा। मैं भी इधर हूं, तू भी इधर है।'हर हफ्ते बिग बॉस 19 में कोई ना कोई प्रतियोगी शो से बाहर होता है। पिछले हफ्ते आवेज दरबार घर से बाहर हुए। इस हफ्ते घर से बाहर जाने के लिए नीलम गिरी, अशनूर कौर, तान्या मित्तल, अमाल मलिक, जीशान कादरी, कुनिका सदानंद, नेहल चुडासमा और प्रणीत मोरे नॉमिनेट हुए हैं।

नायरा के साथ हुई हैरान कर देने वाली घटना

नई दिल्ली। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें चर्चित टीवी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी डांस करती दिख रही हैं। उन्हें

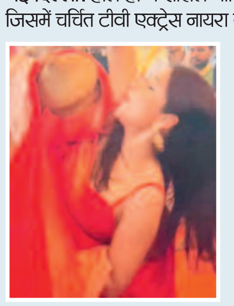

दुर्गा पूजा में धुनुची नाच करते देखा गया, इसी दौरान उनके साथ हैरान कर देने वाली घटना हुई। हालांकि, पास में खड़े लोगों ने फौरने दौड़ उन्हें बचाने की कोशिश की। वीडियो में अभिनेत्री नायरा बनर्जी लाल साड़ी पहने दुर्गा पूजा के किसी कार्यक्रम में शामिल हुई हैं। वीडियो में उन्हें बंगाल के पारंपरिक डांस धुनुची को करते देखा जा रहा है, जिसमें वो एक मिट्टी के खास बर्तन को घुमाती हुई दिख रही हैं। एक्ट्रेस का हाथ अचानक फंस जाता है, जिस कारण वो असंतुलित हो जाती हैं। हालांकि, तुरंत पास खड़े फोटोग्राफर्स ने उन्हें संभाला और कोई भी दुर्घटना होने से पहले बचा लिया। मशहूर टीवी अभिनेत्री नायरा बनर्जी साउथ सिनेमा का भी बड़ा नाम हैं। उन्हें 'दिव्य दृष्टि' सीरीयल में देखा गया है। इसके अलावा अभिनेत्री 'वन नाइट स्टैंड' फिल्म में भी नजर आई हैं।

हनुमान का किरदार निभा चुके हैं ये मशहूर सितारे

नई दिल्ली। हनुमान जी हिंदू धर्म में भगवान राम के सबसे बड़े भक्त और शक्तिशाली देवता हैं। उनकी कहानी रामायण में इतनी प्रेरणादायक है कि सिनेमा और टीवी पर कई सितारे उनके किरदार में नजर आ चुके हैं। वहीं, अब सनी देओल भी हनुमान के किरदार में नजर आएंगे।

ऋषभ शेट्टी : ऋषभ शेट्टी कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार हैं, जिन्होंने 'कांतारा' फिल्म से देशभर में नाम कमाया। अब वह 'कांतारा चैप्टर 2' में नजर आ रहे हैं। अब ऋषभ भगवान हनुमान के किरदार में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 'जय हनुमान' है, जिसका निर्देशन प्रशांत वर्मा कर रहे हैं। ये 'हनुमान' फिल्म का सीक्वल है। दिवाली 2024 से एक दिन पहले यानी 30 अक्टूबर को उनका फर्स्ट लुक रिलीज हुआ। इसमें वे गेरुआ वस्त्र पहने श्री राम की मूर्ति थामे दिखे। फैंस ने इसे देखकर कहा, 'परफेक्ट हनुमान'।

देवदत्त नाग (या देवदत्त नागे) : देवदत्त नाग मराठी सिनेमा के जाने-माने एक्टर हैं। 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'आदिपुरुष' में देवदत्त ने हनुमान का किरदार निभाया। फिल्म में प्रभास राम बने थे। हनुमान जयंती पर उनका लुक रिलीज हुआ, जिसमें वे ध्यानमग्न मुद्रा में दिखे। हालांकि, फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफलता नहीं मिली और कुछ विवाद भी हुए, लेकिन देवदत्त की एक्टिंग की तारीफ हुई। वे अपनी मस्कुलर बॉडी के लिए फेमस हैं।

दारा सिंह : दारा सिंह एक मशहूर पहलवान और एक्टर थे। वे 6 फुट 2 इंच लंबे और उनका वजन 127 किलो था। 1976 में फिल्म 'बजरंगबली' में उन्होंने हनुमान का रोल किया। फिर 1987 में रामानंद सागर के टीवी शो 'रामायण' में हनुमान बने, जो घर-घर में सुपरहिट हुआ। 60 साल की उम्र में भी उनकी बॉडी कमाल की थी। शूटिंग के दौरान मेकअप में 3-4 घंटे लगते थे, इसलिए वे 8-9 घंटे भूखे रहते।

दानिश अख्तर सैफी : दानिश अख्तर सैफी एक रेसलर से एक्टर बने। वे मुस्लिम हैं, लेकिन हनुमान के भक्त। 2015 के शो 'सिया के राम' में उन्होंने हनुमान का रोल किया। उनकी बॉडी 130 किलो की है और वे रोजाना 5 लीटर दूध पीते हैं। 'द ग्रेट खली' ने उन्हें ट्रेनिंग दी। वे 'परमावतार श्री कृष्ण' में भीम भी बने।

निर्भय वाधवा : निर्भय वाधवा ने 'महाभारत' में दुषासन से करियर शुरू किया। फिर 'संकट मोचन महाबली हनुमान' में हनुमान बने। 2024 के शो 'श्रीमद रामायण' में फिर हनुमान का रोल कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने कहा, 'हनुमान जी मुझे बार-बार चुनते हैं।' मुंबई में स्ट्रगल किया, जिम में हेल्पर बने।

राज प्रेमी : राज प्रेमी ने 1997 के शो 'जय हनुमान' में हनुमान का लीड रोल किया। संजय खान का प्रोडक्शन था। ये शो दूरदर्शन पर मंगलवार को आता था। राज पहले क्रिकेटर थे, फिर एक्टर बने। 'श्री कृष्ण' में शिशुपाल का किरदार भी निभाया। अब भोजपुरी फिल्मों में काम करते हैं।

सिंदूर खेला के रंग में रंगी काजोल परिवार संग मां दुर्गा को दी विदाई

मुंबई। काजोल हर साल दुर्गा पूजा का आयोजन करती हैं। इस साल भी धूमधाम से दुर्गा पूजा काजोल और उनके परिवार ने मनाई। सोशल मीडिया पर उत्सव के आखिरी दिन की कुछ वीडियो वायरल हैं, जिसमें काजोल सिंदूर खेला खेलती नजर आईं। सोशल मीडिया पर काजोल द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा उत्सव की कुछ वीडियो वायरल हैं। वह उत्सव के आखिरी दिन सिंदूर खेला कार्यक्रम में मौजूद दिखीं।

बॉलीवुड के कई सेलेब्स और काजोल के परिवार के सदस्य भी इस उत्सव में दिखे। इस मौके पर बेटी न्यासा और बहन तनीषा के साथ काजोल का अलग ही अंदाज नजर आया। सिंदूर खेला, बंगाल की दुर्गा पूजा में एक खास तरह की कार्यक्रम होता है। इसमें सुहागिन महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। काजोल ने भी रितुपर्णा सेन को सिंदूर लगाया। काजोल के चेहरे और मांग पर भी सिंदूर लगा दिखा। इस उत्सव के बाद मां दुर्गा को विदा किया जाता है और उत्सव समाप्त होता है। सिंदूर खेला से पहले बहन तनीषा के साथ काजोल बातें कर रही हैं,

अपनी बहन को खूब लाड़ कर रही हैं। वह तनीषा का माथा चुमती हैं। इसके बाद दोनों साथ में सेल्फी क्लिक करती हैं। बेटी न्यासा के साथ भी काजोल ने सेल्फी क्लिक करवाने के लिए अलग तरह से पोज दिए। काजोल की बेटी न्यासा देवगन का ट्रेडिशनल लुक दुर्गा पूजा के मौके पर देखने को मिला।

हीरोइन की शादी, आने वाले थे पंडित नेहरू पर हो गई 34 महीने की जेल

बवाल के बीच नजीर बना था ये हिंदू-मुसलमान विवाह

नई दिल्ली। इस एक्ट्रेस को भारतीय सिनेमा की बेमिसाल शख्सियत के रूप में याद किया जाता है। साल 1912 में यूपी के सहारनपुर में एक पारंपरिक मुस्लिम परिवार में पैदा हुई इस एक्ट्रेस ने बगावत करके फिल्मी दुनिया में कदम रखे थे। यह पढ़ाई में काफी तेज थी, पर परिवार के लोग कम उम्र में ही शादी का दबाव डालने लगे। इस कारण इसे प्रिंसिपल ने 10वीं क्लास में तीन बार फेल कर दिया था। और जब इसने शादी की तो उस पर खूब बवाल मच गया। दरअसल, यह एक्ट्रेस मुस्लिम थी और भारत-पाकिस्तान के बंटवारे से पहले एक हिंदू लड़के से ब्याह रचा लिया। माहौल बिगड़ गया तो इसे भागना पड़ा। इसकी शादी में पंडित जवाहरलाल नेहरू शामिल होने वाले थे, पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। और जब देश को आजादी मिली तो यह रातभर सड़कों पर नाचती फिरी थी। इस एक्ट्रेस का जन्म भारतीय सिनेमा की शुरुआत होने से भी पहले हुए हुआ था और जब मौत हुई तो यह 102 साल की थी। यह एक्ट्रेस जब एक साल की थी तो ग्लूकोमा की वजह से आंखों की रोशनी चली गई थी। सबको लगा कि अब यह कभी ठीक नहीं हो पाएगी। काफी इलाज कराया गया और तब रोशनी वापस आ सकी। उसी दौरान मां का निधन हो गया। ऐसे में पिता ने इस एक्ट्रेस और बाकी बच्चों को खुद ही पाला।

अमिताभ कहते थे 100 साल की बच्ची

ये थीं एक्ट्रेस जोहरा सहगल, जो उम्र के आखिरी पड़ाव तक एक्टिंग करती रहीं और बेहद जिंदादिल थीं। अमिताभ बच्चन भी जोहरा सहगल को '100 साल की बच्ची' कहकर बुलाते थे। जोहरा एक ऐसे मुस्लिम परिवार से थीं, जिसमें रोजे रखना और पांच वक्त की नमाज अदा करना जरूरी था, पर जोहरा ने शुरुआत से ही विद्रोही किस्म का बर्ताव दिखाया। उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाने का फैसला किया।

कम उम्र में शादी करवाना चाहते थे पिता

जोहरा सहगल जब पढ़ रही थीं तो खूब सारे नाटकों और डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। यहीं से उनका रुझान एक्टिंग और डांस की तरफ हो गया। लेकिन पिता को यह सब मंजूर नहीं था और वो उनकी शादी करवाना चाहते थे। हालांकि, माना के समझाने पर वह मान गए और उनके साथ यूरोप भेज दिया।

8 साल छोटे हिंदू लड़के से प्यार

जोहरा सहगल फिर उदय शंकर के साथ भारत लौट आईं और यहां पर उन्होंने उदय शंकर कल्चरल सेंटर में काम करना शुरू कर दिया। यहीं पर उनकी मुलाकात 8 साल छोटे कामेश्वर सहगल से हुई, जो वैज्ञानिक, पेंटर और एक डांसर थे। जोहरा ने जब पिता को बताया कि उन्हें कामेश्वर से प्यार हो गया है और शादी करना चाहती हैं तो खूब बवाल मचा था। इस बारे में जोहरा की परनातिन और एक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा ने कुछ साल पहले 'हॉटरफ्लाई' को बताया था।

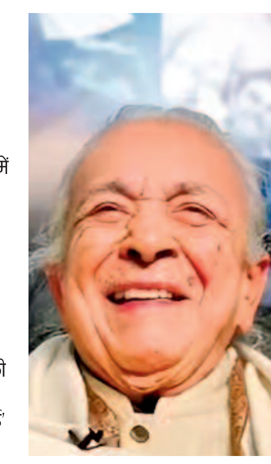

यूरोप जाकर सीखा बैले डांस, कई देशों में किया परफॉर्म

यूरोप में जोहरा सहगल बैले डांस स्कूल में एडमिशन लिया और बैले डांस में ट्रेनिंग हासिल की। उसी दौरान जोहरा सहगल की मुलाकात मशहूर डांसर और कोरियोग्राफर उदय शंकर से हुई। वह उनके डांस ट्रूप का हिस्सा बन गईं और कई देशों में परफॉर्म किया।

बगावत कर शादी कर ली

खैर, जोहरा सहगल ने कामेश्वर सहगल से शादी कर ली और दोनों के परिवारों के बीच खूब बवाल मचा। हालांकि, उनकी शादी में जवाहरलाल नेहरू जरूर शामिल होने वाले थे। यह शादी 14 अगस्त 1942 में हुई थी, और उस वक्त 'भारत छोड़ो आंदोलन' चरम पर था। जवाहरलाल नेहरू ने जोहरा को शादी में फारसी कालीन उपहार में देने का वादा किया था, लेकिन 9 अगस्त 1942 को उन्हें अहमदनगर किले में गिरफ्तार कर लिया गया।। नेहरू की यह सबसे लंबी और आखिरी गिरफ्तारी थी। वह 34 महीने जेल में रहे थे। उन्हें फिर जनवरी 1945 में रिलीज किया गया था। वहीं, दंगों और डर के कारण, जोहरा की शादी में सिर्फ एक ही मेहमान शामिल हुआ।

एसईए इवेंट में सितारों ने बिखेरा जलवा...

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बुधवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में हुए इवेंट में बॉलीवुड सितारों का मेला लग गया। प्रियंका चोपड़ा से लेकर तमन्ना भाटिया तक, कई सेलेब्स ने इवेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। मायानगरी एक बार फिर बॉलीवुड और फैशन की चमक से जगमगा उठी जब ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बुल्गारी के पहले भारतीय प्रदर्शनी कार्यक्रम में शिरकत करती नजर आईं। यह आयोजन 'सर्पेंटी इन्फिनिटो एग्जीबिशन' के नाम से 1 अक्टूबर को नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में हुआ। इस मौके पर प्रियंका के अलावा बी-टाउन के कई सेलेब्स दिखाई दिए। प्रियंका इस इवेंट में एक स्टनिंग व्हाइट गाउन पहनकर पहुंचीं। उनके गाउन का फॉर्म-फिटेड डिजाइन और ट्रेल पर शीयर डिटेलिंग ने उनके लुक को और निखार दिया। प्रियंका ने इस दौरान नीता अंबानी और ईशा अंबानी के साथ पोज दिए। इसके अलावा वो तृप्ति डिमरी के साथ भी तस्वीरें क्लिक कराती नजर आईं। इवेंट में प्रियंका

चोपड़ा ने कई सितारों से मुलाकात की। उन्होंने तमन्ना भाटिया और त्रिप्ती डिमरी के साथ काफी गपशप की। तमन्ना ने भी इस दौरान मीडिया को पोज दिए और अपने स्टाइल स्टेटमेंट से सभी को प्रभावित किया। इस इवेंट में सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा और हुमा कुरैशी भी पहुंचीं। सारा ने ब्लू कलर का गाउन पहन रखा था।

20 साल से अटकी पड़ी फिल्म बैजू बावरा

मुंबई। संजय लीला भंसाली, फिल्म इंडस्ट्री का वो नाम हैं, जिनके साथ काम करना हर एक्टर की हसरत होती है। भंसाली अपनी फिल्मों की कहानी से लेकर कास्टिंग और

हर सीन पर बारीक मेहनत के लिए जाने जाते हैं। बॉलीवुड को खामोशी, देवदास, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी फिल्म देने वाले भंसाली का एक ड्रीम प्रोजेक्ट बीते 20 साल से अटका पड़ा है। कभी इस फिल्म में वह सलमान खान और ऐश्वर्या को कास्ट करना चाहते थे। फिर मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इसके बाद खबर आई कि रणवीर सिंह के साथ यह फिल्म दोबारा शुरू होने वाली है। लेकिन, अब एक और नई रिपोर्ट आई है। चर्चा है कि भंसाली ने 'लव एंड वॉर' की शूटिंग के बीच अपने नए फेवरेट रणबीर कपूर को यह फिल्म 'बैजू बावरा' ऑफर कर दी है। रणबीर कपूर को यह फिल्म संजय लीला भंसाली की ओर से बर्थ डे गिफ्ट है। रणबीर बीते 28 सितंबर को 42 साल के हुए हैं। 'भंसाली की टीम ने पहले ही 'बैजू बावरा' की प्रीप्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया है। रणबीर, खुद भी पुराने जमाने के संगीत के बड़े कद्रदान हैं।

घर में ही हैं मेरे सबसे बड़े ट्रोलर: आलिया

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाने का भी कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। हालांकि, आलिया ने खुलासा किया कि रणबीर उन्हें सबसे ज्यादा

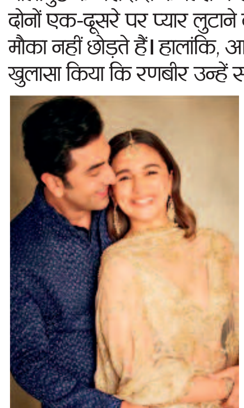

ट्रोल भी करते हैं। आलिया का कहना है कि रणबीर उन्हें सबसे ज्यादा चिढ़ाते हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने रणबीर के साथ अपने रिश्ते और पति-पत्नी के बीच की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। आलिया भट्ट काजोल और ट्विंकल खन्ना के शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल'के नए एपिसोड में पहुंचीं। आलिया ने रणबीर के साथ अपने रिश्ते को फिल्मी रोमांस से कहीं बढ़कर बताया। उन्होंने कहा कि रणबीर और मेरी दोस्ती स्वाभाविक है। यह एक अच्छे दोस्त का रिश्ता था। बेशक मैंने उनसे शादी एक वजह से की। क्योंकि मुझे लगता है कि वह मेरे लिए और एक इंसान के तौर पर भी बहुत अच्छे हैं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी —सुविधा हमारी—
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc. Nursing	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years

क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटो का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु
7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु
9201641200, 9201631200, 9201622400

वार्डन/ड्रायवर

आवश्यकता है- हॉस्टल में आवश्यकता है। लेडिज वार्डन, कंप्यूटर जानकर, ड्राइवर+ गार्ड, नशा मुक्त एकल व्यक्ति, रहने खाने की सुविधा, ड्राइविंग लाइसेंस जरूरी, अनुभवी एवं शाकाहारी को प्राथमिकता **जैन गर्ल्स हॉस्टल लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका रायपुर- 8959906595.**(RO-7384)

वेल्डींग कार्य

आवश्यकता है- वेल्डींग काम करने वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार **संपर्क- 9827140068.** (RO-6728)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / मेसेज 9826190059 समय - 12 से 5 तक (आरो नं.-674)

ड्रायवर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- मैग्नेटो मॉल/वीआईपी चौक के पास निजी कार हेतु ड्राइवरों की आवश्यकता है। (अनुभव 10+ वर्ष) बीड़ी-सिगरेट, शराब-गुटखे आदि का सेवन न करने वाले ही **संपर्क करें। 9300593000.** (RO-7230)

आवश्यकता है- फर्नीचर दुकान में कार्य हेतु लड़के /लड़कियों व ड्राइवर की शीघ्र आवश्यकता है **संपर्क करें (1)संजय फर्नीचर दक्षिण गंगोत्री सुपेला (2)अरुण कुमार एंड संस महिमा हॉस्पिटल के सामने पाटन रोड, उतई** (आरो न.-676)

हरिभूमि क्लासीफाईड

अन्य

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घरबैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है! अगर आपको नौकरी की जरूरत है! तो **संपर्क करें:- 8335914373.** (RO-1173)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099.** (RO-302)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - त्यौहारी ऑफर दुर्ग में चंदखुरी भाठा कुथरेल खार में प्लॉट ही प्लॉट पुलगांव चौक से मात्र 10 मिनट की दूरी पर 551 रुपए फिट में उपलब्ध रजिस्ट्री डायवर्सन फ्री **संपर्क 9770047215, 6260058087.**(आरो-1662)

प्लॉट बेचना है - VIP एयरपोर्ट रोड, रजवाड़ा रिजॉर्ट से लगा हुआ, ड्रीम सिटी के अंदर, रायपुर प्राइम लोकेशन पर 100x100 (10000) Sqft का प्लाट बेचना है। रेट 2500/- Sqft **संपर्क करें:- 9893163953, 7869138009.**(RO-300)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Appointment आवश्यकता

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल:- 9329103178.**(RO-301)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु 10-12 लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क करें- लाईट एन लाईट, जवाहर नगर चौक, एमजी रोड, रायपुर** (RO-1654)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में मार्केटिंग कार्य करने के लिए अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन- 10,000 से 20,000 महीना + बोनस , योग्यतानुसार **पता- आमापारा चौक रायपुर संपर्क करे- 8959336728.**(RO-6727)

क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा आशियाना

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

जैकेट के शेष

गगनभेदी आतिशबाजी के ....

बनने का अवसर दिया। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को विजयदशमी की बधाई एवं शुभकामना संदेश दिए। नेशनल क्लब के संरक्षक जी. स्वामी और सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति से जुड़े उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस उत्सव का साक्षी बनने के लिए सीएम विष्णु देव साय, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर, अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा सहित कई चर्चित चेहरे मंचस्थ थे। श्रीराम विजयदशमी के अवसर पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री ने संयुक्त रूप से रिमोट का बटन दबाते हुए असत्य के प्रतिक रावण और सत्य के स्वरूप भगवान श्रीराम के प्रसंगों का बखान करते हुए रावण के 101 फीट ऊंचे रावण और 81-81 फीट ऊंचे कुंभकरण व मेघनाथ के प्रतिक स्वरूप पुतलों का दहन करते हुए लोगों को उत्सव मनाने का अवसर दिया।

असत्य पर सत्य ....

आयोजन के लिए बधाई देते हुए शुभकामना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 35 वर्ष बाद मुझे विजयदशमी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने के लिए आप सभी को बधाई।

पड़ोसी देशों में ....

अमेरिकी शुल्क (टैरिफ) भारत के लिए कोई चुनौती नहीं बनेंगे। यहां रेशिमबाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक विजयादशमी रैली को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद अन्य देशों की प्रतिक्रियाओं से भारत के साथ उनकी मित्रता के स्वरूप और प्रगाढ़ता का पता चला। यह रैली ऐसे समय में हुई जब आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष भी मना रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित रहे। भागवत ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी जयंती दो अक्टूबर को मनाई जाती है। उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता संग्राम में गांधीजी का योगदान अद्वितीय है, जबकि शास्त्री जी का जीवन और समय, समर्पण तथा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वे व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र के ऐसे उदाहरण हैं जिनका हमें अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने श्रीलंका, बांग्लादेश में अशांति और नेपाल में 'जेन जेड' प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए कहा कि असंतोष का स्वाभाविक और तात्कालिक कारण सरकार और समाज के बीच दूरी तथा योग्य एवं जनोन्मुखी प्रशासकों का अभाव है। संघ प्रमुख ने कहा, भारत में ऐसी अशांति फैलाने की चाह रखने वाली ताकतें देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। असंतोष के स्वाभाविक और तात्कालिक कारण सरकार और समाज के बीच का विच्छेद और योग्य एवं जनोन्मुखी प्रशासकों का अभाव हैं। हालांकि, हिंसा में वांछित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज केवल लोकतांत्रिक तरीकों से ही इस तरह का परिवर्तन प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हिंसक परिस्थितियों में इस बात की आशंका रहती है कि दुनिया की प्रमुख शक्तियां अपना खेल खेलने के अवसर तलाशने की कोशिश करें।

सबसे बड़ा समर्पण, ...

समक्ष यह समर्पण किया। नक्सल इतिहास में एक साथ समर्पण का यह पहला मौका है। नक्सलियों के कोर इलाके में फोर्स के बढ़ते दबाव और सरकार की नक्सलवाद को लेकर नई नीति से स्थानीय युवा जो भटक कर नक्सलियों के झांसे में आ गए थे, वो अब घर वापसी कर रहे है। दो दिन बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर आ रहे है उनके आगमन से पूर्व बड़ी संख्या में नक्सलियों ने समर्पण किया है। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों में डीव्हीसीएम, पीपीसीएम, एसीएम, प्लाटून पार्टी सदस्य, डीएकेएमएस अध्यक्ष, सीएनएम अध्यक्ष, केएएमएस अध्यक्ष, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य, मिलिशिया कमाण्डर व डिप्टी कमांडर, जनताना सरकार अध्यक्ष, पीएलजीए सदस्य, सीएनएम सदस्य, जनताना सरकार उपाध्यक्ष, डीएकेएमएस उपाध्यक्ष, जनताना सरकार सदस्य, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, जीपीसी, डीएकेएमएस सदस्य व भूमकाल मिलिशिया सदस्य शामिल है।

संगठन के विचारों से हुआ मोहभंग : इतने नक्सलियों के एक साथ समर्पण को स्थानीय नक्सलियों का संगठन के विचारों से मोहभंग मिली निराशा एवं संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद, समाज की मुख्यधारा में जुड़कर सुरक्षित पारिवारिक जीवन जीने की चाह को माना जा रहा है। जनवरी 2025 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 421 माओवादी गिरफ्तार हुए, जबकि 410 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं, बीजापुर जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 137 माओवादी मारे गए है। वहीं जनवरी 2024 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 924 माओवादी गिरफ्तार किए जा चुके है। वहीं 599 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया एवं जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 195 माओवादी मारे गए है। आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने वाले सभी माओवादियों को प्रोत्साहन स्वरूप 50-50 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया।

विजयादशमी पर ....

कदम प्रदेश के शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की दिशा में एक निर्णायक पड़ाव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की "आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025" और "नियद नेल्ला नार योजना" ने लाल आतंक के भ्रम से भटके लोगों के दिलों में विश्वास और आशा का दीप प्रज्वलित किया है। "पूना मारगेम अभियान" से प्रेरित होकर बीजापुर में कुल 103 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 49 नक्सली वे भी हैं, जिन पर कुल 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपए तक का इनाम घोषित था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को नई शुरुआत के लिए 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। साथ ही, नक्सल उन्मूलन नीति के अंतर्गत उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर दिया जा रहा है। अब तक 1890 से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जो सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता और जनता के विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मुठभेड़ में एसीएम ....

रुक-रुककर फायरिंग जारी है। बीजापुर जिले के थाना गंगालूर क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। अभियान के दौरान गुरूवार सुबह 11 बजे से सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग जारी है। आईजी ने कहा कि ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती, ताकि ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ऑपरेशन पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत रिपोर्ट अलग से साझा की जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ....

के लिए बीएसएफ के विशेष विमान ने उड़ान भरेंगे। वे रात को 8.00 बजे रायपुर विमान तल पहुंचेंगे। विमान तक पर उनका मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश के अन्य मंत्रियों के साथ भाजपा के नेता स्वागत करेंगे। विमानतल से श्री शाह होटल मेफेयर जाएंगे और यहां पर रात्रि विश्राम करेंगे।

बस्तर के कार्यक्रम ....

का अवलोकन करने के साथ यहां पर कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के बाद भोजन करेंगे और फिर 3.10 बजे दोपहर को बीएसएफ के विशेष विमान से वापस लौट जाएंगे।

टेट की अनिवार्यता...

अभी दूसरे चरण की प्रक्रिया बाकी है, पर पहले चरण के आंकड़ों को देखते हुए इसमें भी सीटें भरने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। बीएड के प्रति अरुचि के कई कारण हैं। पहले चरण की काउंसिलिंग में विशेष बात यह रही कि इंजीनियरिंग महाविद्यालयों का पैटर्न बीएड महाविद्यालयों में नजर आया। अर्थात शासकीय महाविद्यालयों की सीटें शुरुआत में ही भर गईं, लेकिन कई निजी महाविद्यालयों में संख्या 20-22 छात्र पर ही आकर अटक गई। निजी महाविद्यालयों की 400 सीटें ऐसी भी रही हैं, जिसे विकल्प के रूप में छात्रों ने पंजीयन के दौरान चुना ही नहीं।

2014 में दो वर्षीय हुआ था पाठ्यक्रम : आंकड़ों और एससीईआरटी सूत्रों के अनुसार,शिक्षक की नौकरी युवाओं के लिए प्राथमिकता सूची में रही है। इस कारण शिक्षा पाठ्यक्रमों में छात्रों की दिलचस्पी देखने को मिलती रही है। बीएड में दाखिला स्नातक के बाद ही ले सकते हैं। 2014 के पूर्व यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम था। 2014 में इसे दो वर्षीय कर दिया गया। उस वर्ष भी बीएड महविद्यालय छात्रों के लिए तरस गए थे। प्रदेश में बीएड की 30 प्रतिशत सीटें रिक्त रह गई थीं। हालांकि 2015 से स्थिति सामान्य हो गई। डीएलएड की सीटें भी प्रथम चरण में नहीं भर सकी हैं, लेकिन इन पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों का रूझान दिख रहा है तथा पूछताछ व पंजीयन जारी है। डीएलएड सीटें अंतिम राउंड तक भरने का ट्रेंड रहा है। इसलिए इनमें दाखिला होने की उम्मीद महाविद्यालयों को है।

पाठ्यक्रम	कुल सीट	रिक्त सीट
बीएड	14,500	5300
डीएलएड	6,610	2,233
बीए बीएड	150	47
बीएससी बीएड	100	50

पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल, ...

छन्नू लाल जी की पहचान थी। इसके बगैर काशी की होली कभी पूर्ण नहीं मानी जाती थी। एक धार्मिक भजन है जो फागुन के महीने में भगवान शिव के श्मशान घाट में भूत-पिशाचों के साथ होली खेलने का वर्णन करता है, जिसमें "दिगंबर" भगवान शिव का एक विशेषण है जो उनके नग्न रूप को दर्शाता है। परिवार के सूत्रों ने बताया कि मिश्र ने सुबह चार बजे अंतिम श्वांस ली। वह पिछले काफी दिनों से बीमार थे और मिर्जापुर में अपनी सबसे छोटी बेटी के परिवार के साथ रहते थे। छन्नूलाल की बेटी नम्रता मिश्र ने बताया, उम्र संबंधी समस्याओं के कारण वह पिछले 17-18 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे।

पेज एक के शेष

राहुल का आरएसएस...

उन्होंने कहा कि परंपरा और सोचने के तरीके के मामले में भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है। विपक्ष के नेता ने कहा, मैं भारत को लेकर बहुत आशावादी हूं, लेकिन साथ ही, भारतीय ढांचे में कुछ कमियां भी हैं, कुछ जोखिम भी हैं जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। राहुल गांधी ने कहा, भारत में कई धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। भारत वास्तव में अपने सभी लोगों के बीच एक संवाद वाला देश है। विभिन्न विचारों, धर्मों और परंपराओं के लिए स्थान होना आवश्यक है। उस स्थान को बनाने का सबसे अच्छा तरीका लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उन्होंने आरोप लगाया, वर्तमान में, भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला हो रहा है, इसलिए यह एक जोखिम है। दूसरा बड़ा जोखिम है विभिन्न विचारधाराएं- विभिन्न धर्म, विभिन्न भाषाएं। इन विभिन्न परंपराओं को फलने-फूलने देना, उन्हें खुद को व्यक्त करने के लिए स्थान देना भारत जैसे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भाजपा ने राहुल को...

तहत गांधी-वाड्रा परिवार ने 70 साल तक देश को गरीब रखा और देश को पिछड़ा रखने की कोशिश की। उन्होंने आगे कहा कि इससे साफ है कि राहुल गांधी का रिमोट कंट्रोल विदेशी ताकतों के हाथ में है। राहुल गांधी भारत विरोधी नेता बन गए हैं।

सनकी युवक ने दिनदहाड़े ...

विद्यावती उर्फ भारती टोप्पो आ. हीरालाल टोप्पो शहर में अपनी बहन के साथ रहती थी। और पिछले 5-6 माह से रिंग रोड काली मंदिर के समीप स्थित श्रीकृपा फ्यूल्स में काम करती थी। युवती प्रतिदिन की तरह पेट्रोल पंप पर अपनी ड्यूटी कर रही थी। इसी दौरान एक बिना नम्बर की बाइक पर युवक आया, युवक के आने पर विद्यावती ने उसपर ध्यान नहीं दिया। कुछ समय तक युवक वहीं खड़ा रहा और फिर उसने अचानक ही अपनी बाइक से एक बड़ा चाकू निकाल लिया। आरोपी के चाकू निकालते ही युवती भागी लेकिन उसने पीछे से उसके पीठ पर हमला किया। इस दौरान पेट्रोल पंप परिसर में हड़कंप मच गया और युवती अपनी जान बचाने के लिए भागने लगी लेकिन आरोपी ने उसे पकड़ लिया और उसे चाकू से गोद दिया। इस दौरान चाकू युवती ने शरीर आर पार हो गया और युवती खून से लथपथ होकर सड़क पर पहुचंने से पहले ही गिर गई। इस बीच पेट्रोल पंप में काम कर रहे लोगों ने युवती को बचाने का भी प्रयास किया। बीच बचाव करने आए एक अन्य कर्मचारी संतोष यादव पर भी उसने चाकू से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया।

लम्बे समय से था प्रेम प्रसंग : इस घटना में गंभीर रूप से घायल युवती को स्थानीय लोगों ने ऑटो में लादकर मिशन अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हत्याकांड की असल वजह सामने नहीं आई है। आरोपी की पहचान कुसमी निवासी जोगेंद्र पैकरा के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि मृतिका विद्यावती उर्फ भारती और आरोपी जोगेंद्र पैकरा के बीच लम्बे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पेट्रोल पंप संचालक संदीप त्रिपाठी के अनुसार युवक पिछले 3-4 दिनों से लगातार पेट्रोल पंप आ रहा था और मृतका के मोबाइल फोन को लेकर जांच करता रहता था। संभवतः मृतिका ने आरोपी जोगेंद्र से ब्रेकअप कर लिया था जिससे वह नाराज था। यही वजह है कि पेट्रोल पंप में आने के बाद भी जब आरोपी खड़ा था तो युवती ने उसपर ध्यान नहीं दिया।

पीओके में जबरदस्त आंदोलन

प्रदर्शनकारियों ने 25 पाक सैनिकों को बनाया बंधक, गोलाबारी से 10 की मौत, 100 घायल

एजेंसी ▶▶ मुजफ्फराबाद

- अलग-अलग जगहों से राजधानी मुजफ्फराबाद पहुंच रहे प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि खुफिया एजेंसियां आंदोलन को तोड़ने के लिए गुप्त हमले करा रही हैं। सादे कपड़ों में आए अज्ञात लोग नेताओं को निशाना बनाते हैं और भीड़ में अफरा-तफरी फैलाते हैं। चार दिन से जारी इन प्रदर्शनों में सेना की गोलीबारी में अब तक 10 लोग मारे जा चुके हैं और 100 घायल हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुनियादी जरूरतों पर सब्सिडी कटौती का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों के 25 सैनिकों को बंधक बना लिया है। इन जवानों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा बल कोई सीधी कार्रवाई नहीं कर पा रहे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि खुफिया एजेंसियां आंदोलन को तोड़ने के लिए गुप्त हमले करा रही हैं। सादे कपड़ों में आए अज्ञात लोग

नेताओं को निशाना बनाते हैं और भीड़ में अफरातफरी फैलाते हैं।

चार दिन जारी इन प्रदर्शनों में सेना की गोलीबारी में अब तक 10 लोग मारे जा चुके हैं और 100 घायल हैं। पीओके में सेना की गोलीबारी में मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार बाघ जिले के धीरकोट में 4 लोग मारे गए, मुजफ्फराबाद में 2 और मीरपुर में 2 मौतें हुईं। गुरुवार सुबह भी प्रदर्शनकारियों ने पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद की तरफ मार्च जारी रखा।

पत्रकारों और पर्यटकों का प्रवेश बंद

पाकिस्तान सरकार ने पीओके में पत्रकारों और पर्यटकों का प्रवेश बंद है। स्थानीय रिपोर्टर्स भी आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें न्यूट्रल कवरेज करने से रोका जा रहा है। इसके अलावा कई मानवाधिकार संगठन भी इस मुद्दे पर आवाज उठा रहे हैं। पीओके में आधी रात से इंटरनेट बंद कर दिया गया है। सरकार को डर है कि ये प्रदर्शन आजादी की मांग में बदल सकते हैं।

सरकार पर अनदेखी का आरोप : ये प्रदर्शन जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) की अपील पर हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी सरकार पर मौलिक अधिकारों की अनदेखी और महंगाई नियंत्रित न कर पाने का आरोप लगा रहे हैं। लोगों की भीड़ ने गुरुवार को पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद की तरफ मार्च किया। पाकिस्तान में बसे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए बनी 12 विधानसभा सीटें खत्म करने की मांग।

संरा में भारतीय राजदूत बोले-खुद के खराब रिकॉर्ड के बावजूद पाक देता है उपदेश

हरिभूमि न्यूज:नई दिल्ली। बीते कुछ वक्त से एक ओर बलूचिस्तान और पीओके की आम-जनता पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन कर रही है। तो दूसरी ओर पाकिस्तान है कि उसे अपने घर के अंदर झांकने की फुर्सत ही नहीं है। बल्कि वो दूसरों को मानवाधिकार के मामले में उपदेश देने की कोशिश कर रहा है। ताजा मामला बीते बुधवार देर-रात जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60 वें सत्र की 34वीं बैठक से जुड़ा हुआ है। जिसमें पाकिस्तान ने एक बार फिर से भारत को उपदेश देने की कोशिश की। लेकिन भारतीय राजदूत मोहम्मद हुसैन ने बड़े ही कड़े अंदाज में ऐसे अपने देश का पक्ष रखा कि जिससे पड़ोसी दुश्मन देश की बोलती बंद हो गई। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यकों के मामले में अपने खुद के खराब रिकॉर्ड के बावजूद पाकिस्तान जैसा देश दूसरे देशों को कैसे उपदेश दे सकता है? दूसरों के बारे में किसी भी तरह का गलत-भ्रामक प्रचार करने से पहले पाकिस्तान को अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले में अपनी स्थिति को जांचना-परखना चाहिए।

पी20 शिखर सम्मेलन

भारत के खनिज मिशन पर डाला प्रकाश हरिवंश ने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के क्लेनमंड में आयोजित 11वें जी20 पार्लियामेंट्री स्पीकर्स समिट (पी20) में विभिन्न सत्रों को संबोधित किया। उन्होंने 'न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन के लिए धन संग्रह' विषय पर सत्र को संबोधित किया और बाद में 'समावेशी विकास और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण खनिजों का उपयोग' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व पर अपने संबोधन में, हरिवंश ने भारत के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) - जो कि एक बहु-वर्षीय कार्यनीति है और जो आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक सतत धारणीयता को बढ़ावा देने के

लिए घरेलू अन्वेषण, तकनीकी प्रगति और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को संयोजित करती है- के आधारभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमें न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता और साझा जलवायु लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देने के लिए भी सक्षम मूल्य श्रृंखलाओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बांग्लादेश के पूर्व मंत्री की फोटो वायरल होने पर बवाल

हसीना के सहयोगी ने हथकड़ी में ली आखिरी सांस?

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में उस समय जबरदस्त हंगामा खड़ा हो गया जब सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी और पूर्व उद्योग मंत्री नुरुल माजिद महमूद हुमायूं अस्पताल के बिस्तर से हथकड़ी से बंधे दिखाई दे रहे हैं। यह तस्वीर उनके निधन के तुरंत बाद वायरल हुई और देशभर में नाराजगी फैल गई। दरअसल, सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि 75 वर्षीय हुमायूं, जो ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) के आईसीयू में इलाज करा रहे थे, उनके हाथों में हथकड़ियां थीं. कुछ ने यहां तक कहा कि उनके निधन के बाद भी हथकड़ियां नहीं हटाई गईं।

वायरल फोटो पर आक्रोश

यह तस्वीर सामने आने के बाद वकीलों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन करार दिया। मानवाधिकार कार्यकर्ता नूर खान लिटन ने कहा, 'मरते हुए या मृत व्यक्ति के हाथों में हथकड़ी रखना अमानवीय और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। यह गरिमा की सबसे बड़ी अवहेलना का उदाहरण है।' तस्वीरें साफ तौर पर हाईकोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन दिखाती हैं। उन्होंने कहा, '75 साल के बीमार बुजुर्ग को खतरनाक या फरार होने की आशंका वाला कैदी कैसे माना जा सकता है?

हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ेगा भारत-मॉरीशस के बीच सहयोग

मॉरीशस में हाइड्रोग्राफिक मिशन के लिए पहुंचा सतलुज युद्धपोत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच भारतीय नौसेना इलाके के अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने में लगी हुई है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नौसेना का जंगी युद्धपोत आईएनएस सतलुज मॉरीशस के पोर्टलुईस बंदरगाह पर पहुंच चुका है। उसके द्वारा यहां पर मुख्य रूप से 18वां संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण किया जाएगा। जिसमें लगभग 35 हजार वर्ग समुद्री मील का विस्तृत इलाका शामिल होगा। नौसेना ने गुरुवार को बताया कि क्षमता निर्माण प्रयासों के एक भाग के रूप में मॉरीशस के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी जल सर्वेक्षण डेटा संग्रह और प्रसंस्करण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए जहाज पर सवार होंगे।

इसी साल हुआ मिशन का आगाज

यह मिशन मौजूदा वर्ष-2025 की शुरुआत में हाइड्रोग्राफी पर आयोजित की गई 14 वीं संयुक्त समिति की बैठक के दौरान हस्ताक्षरित दीर्घकालिक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के ढांचे के तहत संचालित किया जा रहा है। मॉरीशस में आईएनएस सतलुज की तैनाती उन्नत वैज्ञानिक सहयोग और रणनीतिक समुद्री संबंधों के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इसके अलावा यह दोनों देशों के बीच गहन समुद्री सहयोग को भी दर्शाता है। जिसका मूल उद्देश्य नौवहन सुरक्षा को बढ़ाना, समुद्री संसाधनों का सतत प्रबंधन और हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

मॉरीशस का सामरिक महत्व

गौरतलब है कि भारत की पूर्व की ओर देखो नीति में मॉरीशस का खासा सामरिक और आर्थिक महत्व है। जो न केवल हिंद महासागर में एक विश्वसनीय देश है। बल्कि समुद्री सुरक्षा में भी एक महत्वपूर्ण भागीदार है। जिससे चीन के प्रभाव को संतुलित करने के भारत के उद्देश्यों को बल मिलता है।भारत मॉरीशस को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए लगातार मदद करता रहता है। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध खासे प्रगाढ़ रहे हैं। जिनका आधार प्राचीन-परंपरागत सांस्कृतिक विरासत रही है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

इजरायल ने थनबर्ग समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजरायली सेना ने पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को बुधवार को हिरासत में ले लिया। यह घटना उस समय हुई जब इजराइली नौसेना ने गाजा की ओर जा रहे राहत जहाजों के काफिले को रोक लिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, इन जहाजों में कई विदेशी कार्यकर्ता सवार थे और सेना ने सभी को इजरायली बंदरगाह की ओर मोड़ दिया। इस राहत काफिले में सवार सभी कार्यकर्ता सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अब इजराइल के अशदोद बंदरगाह तक ले जाया जा रहा है, जहां से आगे की कार्रवाई की जाएगी। काफिले में ग्रेटा थनबर्ग के

अलावा भी कई महत्वपूर्ण पर्यावरण कार्यकर्ता और अंतरराष्ट्रीय सदस्य शामिल थे। राहत अभियान का उद्देश्य गाजा में फंसे लोगों तक खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य मानवीय सहायता पहुंचाना था। कार्यकर्ताओं ने बताया कि इजराइली नौसैनिक जहाजों ने उन्हें गाजा की ओर बढ़ने से रोकने के लिए चेतावनी दी और कुछ नौकाओं पर पानी की बौछार भी की गई।

शब्द पहेली - 6007

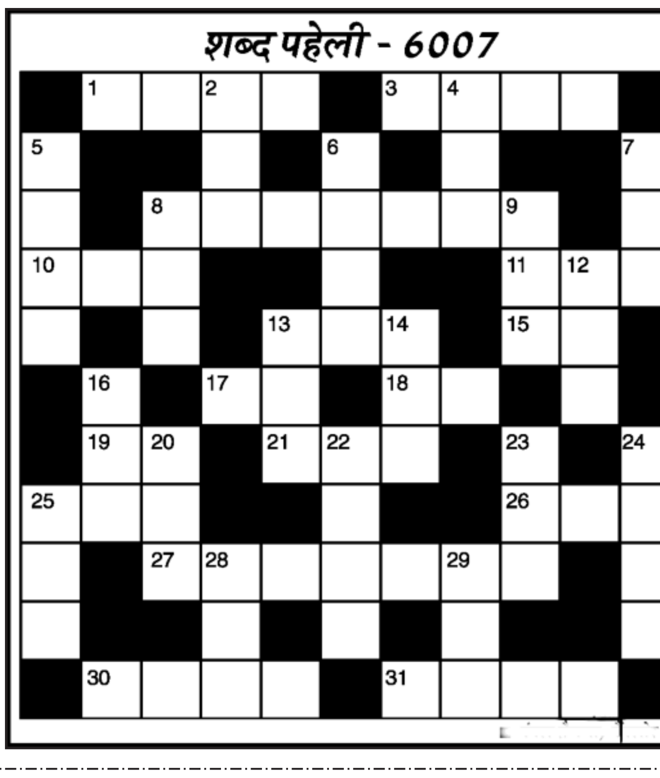

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6006 का हल

रा	क	ल	के	ला	■	■	क	स	क	■
ह	जी	■	श	■	श	त्रु	ता	■	न्या	य
गु	■	■	ही	र	क	■	र	■	■	म
ज	ला	व	न	■	■	गं	■	अ	नु	ज
र	■	च	■	बे	ल	गा	म	■	की	■
■	शा	न	■	क	■	ज	■	ब	ला	■
■	य	■	श	रा	र	ल	■	न्द	■	त
म	द	द	■	र	■	■	अ	र	मा	न
श	■	■	स	■	शा	य	र	■	■	ब
क	म	■	न	र	म	■	मा	■	मा	द
■	जा	न	म	■	■	म	न	मो	ह	न

सूडोकु नवताल - 6017

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6016 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

अब भी 5,884 करोड़ के 2000 के नोट चलन में

मुंबई। चलन से हटाए जा चुके 2,000 रुपये के 5,884 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी प्रचलन में हैं। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। हालांकि 2000 रुपये के बैंक नोट अब भी वैध मुद्रा बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि चलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 30 सितंबर, 2025 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 5,884 करोड़ रुपये रह गया है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका, शेल और फाइजर के बाद पीएंडजी ने कहा 'टाटा'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रॉक्टर एंड गैंबल ने पाकिस्तान में कारोबार बंद करने का ऐलान कर दिया है। कंपनी टाइड, पैम्पर्स जैसे ब्रांड्स बनाती है। अब कंपनी पीएंडजी थर्ड-पार्टी डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल अपनाएगी। कर्मचारियों को विदेशी नियुक्ति या सेपरेशन पैकेज मिलेगा। इससे पहले शेल और फाइजर ने अपना कारोबार पाकिस्तान में बंद कर दिया है।

- कंपनी टाइड पैम्पर्स जैसे ब्रांडस बनाती है

पाकिस्तान को एक के बाद एक बड़ा झटका लग रहा है। ऐसे ही देश कर्ज पर चल रहा है। इसी बीच पहले तो शेल और फाइजर ने देश से अपना बिजनेस बंद कर दिया था। अब एक और दिग्गज कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल कंपनी ने वैश्विक पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा के कुछ महीनों बाद, पाकिस्तान में अपना कारोबार बंद करने की घोषणा की है।

प्रॉक्टर एंड गैंबल अगले दो साल में 7000 जॉब कट्स करेगी

कब से था कारोबार?

पीएंडजी ने 1991 में पाकिस्तान में बिजनेस शुरू किया था और पैम्पर्स, सेफगार्ड, एरियल, हेड एंड शोल्डर्स और पैंटीन जैसे ब्रांड्स के साथ देश की टॉप कंज्यूमर गुड्स कंपनी बन गई। इसने 1994 में एक साबुन प्लांट और 2010 में एक डिटर्जेंट प्लांट खरीदकर अपने बिजनेस को बढ़ाया। कंपनी ने कहा कि पाकिस्तान में कंज्यूमर्स को सर्विस देने के लिए थर्ड-पार्टी डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल सबसे सही रास्ता है। कर्मचारियों को विदेश में जॉब्स या सेपरेशन पैकेज ऑफर किए जाएंगे।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बाहर जाना जारी

जिलेट पाकिस्तान का बोर्ड डीलिस्टिंग जैसे कदमों पर विचार करने के लिए मीटिंग करेगा। कंपनी के शेयर्स 10 प्रतिशत की डेली लिमिट तक बढ़कर तीन हफ्तों के हाईएस्ट लेवल पर पहुंच गए। जिलेट पाकिस्तान के पूर्व सीईओ साद अमानुल्लाह खान ने हाई बिजली कॉस्ट, खराब इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेगुलेटरी प्रेशर का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस तरह की एग्जिट्स से सरकार को समझ आएगा कि सब कुछ ठीक नहीं है। वो चाहते हैं कि हालात सुधरें ताकि मल्टीनेशनल कंपनियों का एग्जिट रुक जाए।

कमजोर डिमांड कारोबार बंद करने का प्रमुख कारण

पीएंडजी ने जून में बताया था कि वो अपने ब्रांड्स की संख्या कम करेगी और अगले दो साल में 7,000 जॉब्स कट करेगी। कंपनी ने ट्रेड टैरिफ्स और कमजोर डिमांड की वजह से अपने गाइडेंस को भी कम किया था। इस फैसले के साथ, पीएंडजी उन मल्टीनेशनल कंपनियों में शामिल हो गई है, जो पाकिस्तान में बिजनेस कम कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, निर्धारित लक्ष्य से अधिक मिले प्रस्ताव

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मिला शानदार रिस्पॉन्स, 1.15 लाख करोड़ के ऑफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना को 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि योजना को बनाते समय निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में ये प्रस्ताव निवेश, रोजगार और उत्पादन के लक्ष्यों से कई गुना अधिक हैं। वैष्णव ने कहा, '' इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के लिए आवेदन की अवधि 30 सितंबर को समाप्त हो गई। हमें 1,15,351 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।'' मंत्री ने कहा कि कुल आवेदनों में से करीब 60 प्रतिशत छोटे एवं मझोले उद्यमों से आए हैं।

60 फीसदी आवेदन एमएसएमई के लिए आए : वैष्णव ने कहा, '' करीब 60 प्रतिशत आवेदन एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) से आए हैं। यह बहुत उत्साहजनक है क्योंकि जब छोटी कंपनियां कार्यक्रम और नीति पर विश्वास दिखाती हैं तो यह एक बड़ा बदलाव आता है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के तहत करीब 59,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त करने की परिकल्पना की है और पूंजीगत उपकरण खंडों के लिए आवेदन अब भी दिये जा सकते हैं।

प्रोत्साहन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर : वैष्णव ने कहा, '' सभी आवेदनों की जांच अब एक समिति करेगी और हमें उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी।''

- योजना के लिए आवेदन की अवधि 30 सितंबर को समाप्त हो गई
- योजना के तहत 1,15,351 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं

कुल 249 कंपनियों ने किया आवेदन जमा

चीन वर्तमान में पूंजीगत उपकरण क्षेत्र में हावी है और हाल ही में उसने देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के लिए वस्तुओं, विशेष रूप से आईफोन की आपूर्ति अनौपचारिक रूप से रोक दी थी। वैष्णव ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विनिर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के उत्पादन पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।कुल 249 कंपनियों ने आवेदन जमा किए हैं जिनकी मंजूरी से पहले एक समिति द्वारा जांच की जाएगी।

प्रस्तावों से 1.41 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

वैष्णव ने कहा, '' 4,56,500 करोड़ रुपये के उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले हमें 10,34,000 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पादन अनुमान प्राप्त हुए हैं।'' इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि प्रस्तावों से 1.41 लाख लोगों के लिए रोजगार सृजन का वादा किया गया है जबकि योजना के तहत 91,600 लोगों के लिए रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में प्रयुक्त पूंजीगत वस्तुओं के लिए 2,103 करोड़ रुपये, ऑप्टिकल ट्रांसीवर के लिए 1,645 करोड़ रुपये, गैर-एसएमडी निष्क्रिय उपकरणों में 1,608 करोड़ रुपये और एसएमडी निष्क्रिय उपकरणों के लिए 535 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

इन क्षेत्रों के लिए निवेश प्रस्ताव मिले

कंपनियों ने जिन प्रमुख क्षेत्रों में बड़े निवेश के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं उनमें लचीले मुद्रित सर्किट बोर्ड (16,542 करोड़ रुपये), इलेक्ट्रो-मैकेनिकल उपकरण (14,362 करोड़ रुपये), मल्टी-लेयर पीसीबी (14,150 करोड़ रुपये), सब-असेंबली और बेयर घटकों की आपूर्ति श्रृंखला (9,226 करोड़ रुपये), डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली (8,642 करोड़ रुपये), कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली (6,205 करोड़ रुपये) और लिथियम आयन सेल (4,516 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

मोबाइल व आईटी हार्डवेयर के लिए 35,813 करोड़ के प्रस्ताव

योजना के तहत मोबाइल फोन, आईटी हार्डवेयर उत्पादों और अन्य संबंधित उपकरणों के लिए 35,813 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स वर्तमान में 'एनक्लोजर' खंड में अग्रणी कंपनियों में से एक है जो आईफोन के लिए उत्पाद बनाती है।

वीवर्क इंडिया ने बड़े निवेशकों से जुटाए 1,348 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सह-कार्यस्थान मुहैया कराने वाली कंपनी वीवर्क इंडिया ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले बड़े (एंकर) निवेशकों से 1,348 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बीएसई की वेबसाइट पर बुधवार देर रात जारी परिपत्र के अनुसार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी एमएफ, मोतीलाल ओसवाल एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ, एक्सिस एमएफ, केनरा-रोबेको एमएफ जैसे म्यूचुअल फंड के साथ-साथ केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस और कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस जैसी बीमा कंपनियों की इसमें व्यापक भागीदारी रही। परिपत्र में कहा गया कि गोल्डमैन सैक्स फंड, अल मेहवार कमर्शियल इन्वेस्टमेंट्स एलएलसी (वांडा) और एलियांज ग्लोबल इन्वेस्टर्स की ओर से मजबूत मांग के साथ वैश्विक रुचि समान रूप से उल्लेखनीय रही।

घरों की बिक्री में बड़ी गिरावट मुंबई और पुणे का बुरा हाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में जुलाई-सितंबर की अवधि में घरों की बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 49,542 इकाई रह गई। प्रॉपइक्विटी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट डाटा एनालिटिक्स कंपनी के मुताबिक, घरों की बिक्री में गिरावट मकानों की कीमतों में तेज उछाल और मांग में कमी की वजह से आई है। पिछले साल की समान अवधि में एमएमआर और पुणे में कुल 59,816 घरों की बिक्री हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, एमएमआर के ठाणे में घरों की बिक्री में सबसे ज्यादा 28 प्रतिशत की गिरावट आई और बिक्री घटकर 14,877 इकाई रह गई।

- जुलाई-सितंबर की अवधि में बिक्री 17 फीसदी घटी
- मकानों की कीमतों में तेज उछाल और मांग में कमी है वजह

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

हरिभूमि THE DIAGNOSTIC CARE
छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर

दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस
मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773

विज्ञापन हेतु संपर्क करें -
9303508130, 9302016344, 7909631282

बिजनेस साइट

व्यापार को नई उड़ान देगा 'चैतन्या बिजनेस पार्क', आज होगा शुभारंभ

डुमरतराई में 3 से 5 अक्टूबर तक चलेगा लॉन्चिंग इवेंट

रायपुर। राजधानी रायपुर के व्यावसायिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए धमतरी रोड स्थित डुमरतराई में 'चैतन्या बिजनेस पार्क' का आज भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। तीन दिवसीय लांचिंग इंवेट 5 अक्टूबर तक चलेगा। 184 कमर्शियल ऑफिसेस और शॉप्स वाला यह प्रोजेक्ट रायपुर का प्रमुख व्यवसायिक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर प्रमोटर एवं डेवलपर अशोक खुबचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि चैतन्या बिजनेस पार्क को आधुनिक सुविधाओं और व्यापारिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। प्रोजेक्ट की खास बातों में रेडी पज़ेशन, बड़े कमर्शियल स्पेसेज और लगभग 220 फीट का आकर्षक रोड फ्रंटेज शामिल हैं, जो व्यापार के लिए एक बेहतरीन वातावरण उपलब्ध कराते हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस प्रोजेक्ट की एक खासियत इंटरकनेक्टेड मल्टी लेवल पार्किंग की सुविधा है, जिससे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को पार्किंग की समस्या से छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा, प्राइम लोकेशन और बेहतर कनेक्टिविटी इसे निवेशकों के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं। अशोक खुबचंदानी ने यह भी कहा कि चैतन्या बिजनेस पार्क आने वाले समय में रायपुर का एक प्रमुख कमर्शियल हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। व्यापार और निवेश के लिए सुनहरा अवसर व्यवसायियों, निवेशकों और ब्रांड्स के लिए चैतन्या बिजनेस पार्क एक सुनहरा अवसर बनकर सामने आया है, जहां आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुविधाजनक लोकेशन और बेहतर व्यापारिक संभावनाएं उपलब्ध हैं।

मुंबई। चलन से हटाए जा चुके 2,000 रुपये के 5,884 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी प्रचलन में हैं।

इट्सा हॉस्पिटल में आधुनिक कॉस्मेटिक सर्जरी की सुविधा

खूबसूरती सिर्फ दिखावे तक सीमित नहीं है : डॉ. गुरुपाल सिंह

रायपुर। आज के दौर में सुंदरता सिर्फ़ चेहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान से जुड़ी हुई है। यही संदेश दे रहे हैं इट्सा हॉस्पिटल के प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. गुरुपाल सिंह छाबड़ा, जो आधुनिक कॉस्मेटिक सर्जरी के जरिए लोगों को नया आत्मबल दे रहे हैं। डॉ. छाबड़ा का मानना है कि खूबसूरती सिर्फ दिखावे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास का भी प्रतीक है और यही सोच उन्हें अपने क्षेत्र में अलग पहचान दिलाती है। डॉ. छाबड़ा वर्षों के अनुभव के साथ अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार हर मरीज के लिए सटीक और सुरक्षित समाधान प्रदान करते हैं। उनके नेतृत्व में इट्सा हॉस्पिटल में नाक की सर्जरी, स्तन आकार सुधार, पेट की त्वचा कसने की प्रक्रिया, फैट रिमूवल और शेपिंग, चेहरे की झुर्रियों को कम करने की सर्जरी, पुरुषों के लिए गाइनेकोमेस्टिया सर्जरी और महिलाओं के लिए मॉमी मेकओवर जैसी अत्याधुनिक प्रक्रियाएं की जा रही हैं। नाक की बनावट से लेकर चेहरे की परिभाषा तक, डॉ. छाबड़ा हर डिटेल पर विशेष ध्यान देते हैं ताकि परिणाम न सिर्फ़ सुंदर बल्कि प्राकृतिक दिखें। महिलाओं के लिए प्रेग्नेंसी के बाद शरीर में आए बदलावों को सुधारने के लिए मॉमी मेकओवर जैसे पैकेज भी उपलब्ध हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Gold Medalist, IUK) MD (Pathology, Utkal University)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG), F.M.A.S FRM (Gujarat University), DRM (Germany) स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
उपलब्ध विशेषताएं
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • यौन रोग
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सिस्ट, सोनोग्राफी,
• बांझपन का संपूर्ण इलाज
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

NMH
निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% छूट
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

खबर संक्षेप

दीप्ति बनीं सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय स्पिनर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे विश्व कप 2025 के अपने पहले मैच में श्रीलंका क्रिकेट टीम को डक वर्थ लुईस की बदौलत 59 रन से शिकस्त दी। भारत की इस जीत में दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले बल्लेबाजी में अर्धशतक लगाया और फिर गेंदबाजी में 3 विकेट लिए। इस बीच वह वनडे में सर्वाधिक विकेट वाली भारतीय महिला स्पिनर बनी। नीतू डेविड से आगे निकली दीप्ति बल्लेबाजी में छाप छोड़ने वाली दीप्ति ने गेंदबाजी में भी कमाल किया। इस ऑफ स्पिनर ने अपने 10 ओवर में 54 रन देते हुए 3 विकेट लिए। उनके नाम अब 28.19 की औसत के साथ 143 विकेट हो गए हैं। वह वनडे प्रारूप में दूसरी सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बनी।

अब बांग्लादेश से कभी नहीं खेल पाएंगे शाकिब, खेल सलाहकार ने किया ऐलान

ढाका। बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर आसिफ महमूद ने ये घोषणा की है कि अब शाकिब अल हसन कभी भी अपने देश से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। दरअसल, शाकिब ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी थी और इससे नाराज महमूद ने ये ऐलान किया है। बता दें कि इस ऑलराउंडर ने लगभग 1 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। शाकिब ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के जन्मदिन पर शाकिब ने शुभकामनाएं दी थी। इसके बाद महमूद ने खिलाड़ी का नाम लिए बिना फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'आप सभी ने एक शख्स को बाहर करने के लिए मुझे बहुत गालियां दी हैं, लेकिन मैं सही था।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे मसूद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 12 अक्टूबर से दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाली 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की वापसी हुई है, जो टी-20 एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। शान मसूद टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे, जबकि रिजवान विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। पीसीबी ने घरेलू सीरीज में जीत हासिल करने के लिए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को तरहीज दी है।

विदेशी टी-20 लीग में अब नहीं खेलेंगे पाकिस्तानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने विदेशी टी-20 लीग में खेलने वाले अपने खिलाड़ियों को जारी सभी अनापत्ति प्रमाण पत्र निलंबित कर दिए हैं। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद द्वारा 29 सितंबर को घोषित इस फैसले से बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान जैसे शीर्ष खिलाड़ी प्रभावित होंगे। ये पाकिस्तानी खिलाड़ी बिग बैश लीग और आईएलटी20 जैसे कई टी-20 टूर्नामेंटों में नियमित रूप से खेलते रहे हैं। पीसीबी ने यह सख्त कदम एशिया कप 2025 के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उठाया है।

जल्द ही औपचारिक रूप से भारत लाई जाएगी एशिया कप 2025 की ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद जारी है। इन सबके बीच ये खबर है कि फिलहाल एशिया कप की यह ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी के क्षेत्रीय कार्यालय में रखी हुई है और जल्द ही इसे भारत लाया जाएगा।

भारत भेजी जाएगी ट्रॉफी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस ट्रॉफी को या तो औपचारिक रूप से भारत भेज दिया जाएगा या दुबई में किसी भारतीय अधिकारी को सौंप दिया जाएगा, जो इसे वापस ले आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, नकवी मंगलवार तक दुबई में ही मौजूद थे, जहां एसीसी का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है। बता दें कि नकवी ने हाल ही में संपन्न हुई एसीसी की बैठक में ट्रॉफी को भारत में भेजने से इनकार कर दिया था।

नकवी को एसीसी से चलता करेगा बीसीसीआई

इस ट्रॉफी के विवाद के बाद से बीसीसीआई नकवी को एसीसी के अध्यक्ष पद से हटाने की योजना बना रहा है। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि वे रिपोर्ट दर्ज कराने और यूएई के अधिकारियों से आग्रह करने की योजना बना रहे हैं कि नकवी के आचरण की आधिकारिक जांच होनी चाहिए। उनका तर्क है कि उनके व्यवहार ने विजेता टीम के अपमान के साथ-साथ इस मामले में राजनीति भी शामिल की है।

क्या है ट्रॉफी का पूरा विवाद?

फाइनल के बाद भारतीय टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। एसीसी अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर सुझाव दिया कि पुरस्कारों की प्रस्तुति एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से करा ली जाए, लेकिन नकवी ने ऐसा नहीं होने दिया। इसके बाद नकवी भारतीय टीम की ट्रॉफी को अपने साथ लेकर होटल रवाना हो गए। बीते मंगलवार को एसीसी की बैठक में वह ट्रॉफी देने की बात से पीछे हट गए थे।

माफी भी मांग चुका है नकवी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नकवी ने बैठक में बीसीसीआई से खेद व्यक्त किया और माना था कि फाइनल के बाद स्थिति इतनी बिगड़नी नहीं चाहिए थी। इस गलती को स्वीकारने के बावजूद उन्होंने बीसीसीआई को सीधे तौर पर ट्रॉफी देने से इनकार किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नकवी ने सुझाव दिया कि भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव दुबई जाकर व्यक्तिगत रूप से उनसे ट्रॉफी लें। हालांकि, इस पर बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों ने आपत्ति व्यक्त की थी।

टेस्ट सीरीज : राहुल ने ठोका पचासा, सिराज ने 4, बुमराह ने चटकाए 3 विकेट

भारत के नाम रहा पहला दिन, विंडीज को 162 पर समेटा, 2 विकेट पर बनाए 121 रन

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

भारत-वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गुरुवार से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू हुआ। पहले दिन का खेल पूरी तरह से भारत के नाम रहा।

इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 के स्कोर पर सिमट गई। इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट खोकर 121 रन बना लिए। केएल राहुल फिफ्टी लगाकर नाबाद हैं। गेंदबाजी में सिराज को 4 तो बुमराह को 3 विकेट मिले. वहीं, कुलदीप यादव ने भी दो विकेट झटके. वॉशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला है। यह मुकाबला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिहाज से बेहद अहम है।

भारत ने शुरुआत से ही बनाया दबाव

भारत के सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पारी की शुरुआत की। दोनों के बीच 68 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल 36 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, साई सुदर्शन भी सस्ते में निपट गए। साई के बल्ले से केवल 7 रन ही आए। केएल राहुल अर्धशतक बनाकर क्रीज में डटे हुए हैं। कप्तान शुभमन गिल उनका साथ निभा रहे हैं। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत 41 रन पीछे है।

विंडीज टीम पर रहा गेंदबाजों का खौफ

पहली पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 12 रनों के स्कोर पर ही वेस्टइंडीज को पहला झटका लग गया। तेजनारायण चंद्रपॉल (0 रन) तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद पर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों लपके गए। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज जॉन कैम्पबेल (8 रन) को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा।

सिराज का कहर देखने को मिला और उन्होंने दो और विकेट झटके। लंच से पहले कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज को 5वां झटका दिया और शाई होप अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद विंडीज को 7वां झटका सुंदर ने दिया। इसके बाद बुमराह ने विंडीज को 8वां और 9वां झटका दिया। कुलदीप ने विंडीज की पारी का खात्मा किया।

पतझड़ जैसे गिरे वेस्ट इंडीज के विकेट

वेस्ट इंडीज के विकेट पतन इस प्रकार हुए- 12-1 (तेजनारायण चंद्रपॉल, 3.5 ओवर), 20-2 (जॉन कैम्पबेल, 6.1 ओवर), 39-3 (ब्रैंडन किंग, 9.6), 42-4 (एलिक अथानाजे, 11.4), 90-5 (शाई होप, 23.2), 144-7 (खारी पियरे, 37.5), 150-8 (जस्टिन ग्रीव्स, 38.6), 153-9 (जोहान लेने, 40.1),162-10 (जोमेल वार्रिकन, 44.1)

स्कोर बोर्ड

वेस्टइंडीज पहली पारी	रन	गेंद	4	6
कैंपबेल का जुरेल बो बुमराह	08	19	2	0
चंद्रपॉल का जुरेल बो बुमराह	00	11	0	0
ऐलेक ऐथेनाज का राहुल बो सिराज	12	24	2	0
ब्रैंडन किंग बो सिराज	13	15	3	0
रॉस्टन चेज का जुरेल बो सिराज	24	43	4	0
शाई होप बो कुलदीप	26	36	3	0
जस्टिन ग्रीव्स बो बुमराह	32	48	4	0
खारे पिएरे पगबाधा सुंदर	11	34	2	0
जोमेल का जुरेल बो कुलदीप	08	16	1	0
जोहान लेन बो बुमराह	01	04	0	0
जेडेन सील्स नाबाद	06	16	0	0

अतिरिक्त: 21,
कुल योग: 44.1 ओवर 162/10 रन
गेंदबाजी: बुमराह 14-3-42-3, सिराज 14-3-40-4, रेड्डी 4-1-16-0, जडेजा 3-0-15-0, कुलदीप 6.1-0-25-2, सुंदर 3-0-9-1

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का होप बो सील्स	36	54	7	0
लोकेश राहुल खेल रहे हैं	53	114	6	0
साई सुदर्शन पगबाधा चेज	07	19	0	0
शुभमन गिल खेल रहे हैं	18	42	1	0

अतिरिक्त: 07,
कुल योग: 38 ओवर में 121/2 रन
गेंदबाजी: सील्स 8-2-21-1, लायने 6-0-14-0, ग्रीव्स 4-2-19-0 वारिकन 6-2-21-0, पियरे 9-0-25-0, चेज 5-0-16-1

क्रिकेट

नामीबिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी ▶▶| हरारे

नामीबिया क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया है। दरअसल, इस टीम ने टी-20 विश्व कप क्वालीफायर के पहले सेमीफाइनल मैच में तंजानिया क्रिकेट टीम को 63 रन से हराते हुए आगामी विश्व कप का टिकट हासिल किया। बता दें कि नामीबिया ने लगातार चौथे विश्व कप संस्करण में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। अगला टी-20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है।

इस तरह से जीती नामीबिया की टीम सेमीफाइनल

हरारे में खेले गए मैच में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों के बाद 174/6 का स्कोर बनाया। नामीबिया की ओर से कप्तान गेरहार्ड इरास्मस (55) और जेजे स्मिट (61*) ने अर्धशतक लगाए। जवाब में तंजानिया की टीम पूरे ओवर खेलने के बावजूद 8 विकेट खोकर 111 रन ही बना सकी। नामीबिया से अर्धशतकीय पारी खेलने वाले स्मिट ने गेंदबाजी में 16 रन देते हुए 3 विकेट लिए।

क्वालीफाई टीमें

भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, अमेरिका, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, कनाडा, नीदरलैंड, इटली, और नामीबिया।

नामीबिया टीम का इतिहास

नामीबिया की टीम इससे पहले 2021, 2022 और 2024 में भी खेल चुकी है। 2022 संस्करण में, नामीबिया ने श्रीलंका क्रिकेट टीम को हराकर अपने क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार क्षणों में से एक को रचा था। टी-20 विश्व कप 2024 में नामीबिया ने सिर्फ 1 जीत दर्ज की थी और 3 में हार झेली थी। ग्रुप-B में मौजूद यह टीम चौथे पायदान पर रहे थे और सुपर-8 में नहीं पहुंच सके थे।

युवा टेस्ट

दूसरी पारी में बल्लेबाजी किए बिना ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को रौंदा

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

भारत अंडर-19 टीम ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले युवा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 58 रन से हराकर इस दौरे पर अपना दबदबा कायम रखा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मैच के चौथे दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी दूसरी पारी आठ रन पर एक विकेट से आगे से शुरू की। पूरी टीम 49.3 ओवर में सिर्फ 127 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पहली पारी में 243 रन के जवाब में भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी और वेदांत त्रिवेदी के शानदार शतकों की मदद से 428 रन बनाये थे।

एक पारी 58 रन से हराया

टीम को दूसरी पारी में बल्लेबाजी की जरूरत नहीं पड़ी। पहली पारी में पांच विकेट झटकने वाले तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने दूसरी पारी में तीन विकेट चटकाये। खिलान पटेल ने भी तीन विकेट लिए जबकि अनमोलजीत सिंह और किशन कुमार ने दो-दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को क्रीज पर समय बिताने का मौका नहीं दिया।

दूसरा टेस्ट सात अक्टूबर से

श्रृंखला का दूसरा और अंतिम युवा टेस्ट सात अक्टूबर से मैके में शुरू होगा। भारत अंडर-19 टीम ने इससे पहले तीन मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया-19 को 3-0 से हराया था।

कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में

बीजिंग। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

महिला वनडे विश्व कप : बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

डेब्यू में ही रूबिया ने मारी फिफ्टी

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

महिलाओं के वनडे विश्व कप 2025 के तीसरे मैच में बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 7 विकेट से हराया। कोलंबो में खेले गए मैच में पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने निराश किया और पूरी टीम सिर्फ 129 रन पर ही सिमट गई। जवाब में छोटे से लक्ष्य को बांग्लादेशी टीम ने रुबिया हैदर की पारी (54*) की मदद से लक्ष्य हासिल किया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

इस तरह जीती बांग्लादेशी टीम

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम से ओमैमा सोहेल और सिदरा अमीन अपना खाता भी नहीं खोल सकीं। उसके बाद धड़ाधड़ पाकिस्तानी विकेट गिरते गए और पूरी टीम 38.3 ओवर में सिमट गई। पाकिस्तान से रमीन शमीम ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की फरगना हक (2) और शर्मिन अख्तर (10) भी जल्दी आउट हुई। इसके बाद हैदर का अर्धशतक और कप्तान निगार सुल्ताना (23) की साझेदारी ने टीम को जीत दिलाई।

चैंपियंस लीग : पीएसजी ने बार्सीलोना को दी मात, मोनाको-मैनचेस्टर सिटी का मैच ड्रा

एजेंसी ▶▶| बार्सीलोना

गोंकालो रामोस के 90वें मिनट में किये गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन ने चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए बार्सीलोना को 2-1 से हराया।

उस्मान डेम्बेले, डिजायर डोउए और ख्विचा क्वारात्सखेलिया जैसे अग्रिम पंक्ति के अनुभवी खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी गत चैंपियन पीएसजी की टीम बार्सीलोना के 'एस्तादी ओलिंपिक लुईस कंपनीस' स्टेडियम में 1-0 से पिछड़ रही थी। सेने मायुलु ने मैच के 38वें मिनट में बराबरी का गोल दागा जबकि रामोस ने आखिरी क्षणों में गोल कर बार्सीलोना की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बार्सीलोना के लिए फेरान टोरेसे ने 19वें मिनट में मैच का पहला गोल किया था।

अन्य मैचों का ऐसा रहा हाल

अन्य मैचों में विलारीयाल और युवेंटस का मुकाबला भी 2-2 की बराबरी खत्म हुआ। इसमें रेनाटो वेइगा ने अंत में बराबरी का गोल किया। आर्सेनल ने ओलंपियाकोस को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड कायम रखा। नेपोली ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 2-1 से शिकस्त दी जबकि बोरुसिया डॉर्टमुंड ने एथलेटिक बिलबाओ को 4-1 से हराया। बेयर लेवरकुसेन और पीएसवी आइंडहोवन के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा।

आईसीसी से प्रतिबंध के बाद यूएसए क्रिकेट ने उठाया कदम

अब यूएसए क्रिकेट ने दिवालियापन के लिए किया आवेदन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अमेरिका क्रिकेट बोर्ड (यूएसएसी) को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया था। आईसीसी की इस कार्रवाई के बाद अब यूएसएसी ने 'चैप्टर 11' दिवालियापन के लिए आवेदन किया है। बता दें कि यूएसएसी ने ये फैसला अमेरिकन क्रिकेट एंटरप्राइजेज के साथ अपने विवाद को लेकर होने वाली सुनवाई से ठीक पहले उठाया है।

पहली बार घटी ऐसी घटना

यह पहला ऐसा मौका है, जब आईसीसी की किसी टीम की ओर से 'चैप्टर 11' के तहत दिवालियापन के संबंध में आवेदन किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, एसीई द्वारा लाए गए कोलोराडो मामले में, यूएसए क्रिकेट टीम के वकील ने सुनवाई शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही अदालत को दिवालियापन की सूचना दे दी, जिससे सुनवाई रुक गई। दिवालियापन घोषित किए जाने बाद यूएसएसी से करार करने वाले खिलाड़ियों की चिंता बढ़ सकती है।

एसीई ने इस कृत्य की निंदा की

एसीई ने इस कृत्य और इसके समय की निंदा की। एसीई के एक प्रतिनिधि ने कहा, यूएसएसी जानता था कि इसका नतीजा पहले से तय है। पक्षों के समझौते को रद्द करने का कोई आधार नहीं था और यह अमेरिका में क्रिकेट की सफलता को खतरे में डाल रहा था। यूएससीए को क्रिकेट और उसके खिलाड़ियों के हितों की बिलकुल भी परवाह नहीं है, और यह केवल राजनीति और उसके निदेशकों के निजी एजेंडे से प्रेरित है।

अमेरिका में क्या होता है 'चैप्टर 11'?

चैप्टर 11' अमेरिका का एक कानून है। जब कोई कंपनी या संगठन (जैसे यूएसए क्रिकेट) कर्ज में डूब जाता है, तो वह चैप्टर 11 के तहत दिवालियापन कोर्ट में अर्जी दे सकता है। यह एक पुनर्गठन की प्रक्रिया है। इसका मतलब है कि कंपनी अपने कर्ज को कम करने, खर्चे घटाने और कारोबार को बचाने की योजना बनाती है। कोर्ट की निगरानी में कंपनी चलती रहती है, और उसे कुछ समय के लिए कर्जदाताओं से राहत मिलती है।

इसलिए लगाया गया था यूएसए पर प्रतिबंध?

आईसीसी की शिकायत के तीन मुख्य बिंदु थे। यूएसए क्रिकेट का प्रभावी प्रशासनिक ढांचा लागू करने में असफल रहना, क्रिकेट के राष्ट्रीय शासी निकाय के रूप में अमेरिका के ओलंपिक और पैरालंपिक समिति से मान्यता प्राप्त करने में कोई प्रगति न होना और ऐसे कार्य करना जिन्होंने क्रिकेट की प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाया।

नाश्ते में खाता है 10 किलो मिर्ची, लाल मिर्च पाउडर से धोता है एक-एक अंग

नई दिल्ली। मेघालय के घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच एक ऐसा शख्स रहता है, जिसकी स्टोरी सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। राम पिरतुह, पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के बटाव गांव के साधारण किसान है। लेकिन अपनी असाधारण क्षमता के कारण दुनियाभर में मशहूर है। जब दुनिया हेल्थ ट्रेंड्स पर चर्चा कर रही है, राम की पुरानी वीडियो फिर वायरल हो गई, जहां वे एक बार में 10 किलो से ज्यादा तीखी सूखी मिर्च खा जाते हैं, वो भी बिना आंसू बहाए, बिना पसीना छुड़ाए! लेकिन, स्टोरी यहीं नहीं रुकती।

सरेआम खा गए तीखी लाल मिर्च

राम पिरतुह का ये टैलेंट 2021 में चर्चा में आया, जब एक लोकल वीडियो में उन्हें मिर्च की थैलियां खाते देखा गया। लोग दूर-दूर से इस बात की सच्चाई जानने के लिए आने लगे। राम, 50 के करीब उम्र के इस किसान ने कहा, 'मिर्च मेरी जिंदगी का हिस्सा है। बचपन से खाता आया हूं, अब तो कोई तीखापन महसूस ही नहीं होता.' वे ना सिर्फ मिर्च खाते हैं, बल्कि उससे नहा भी सकते हैं।

दिया गया था कठिन चैलेंज

जब उनकी इस शॉकिंग खूबी की चर्चा होने लगी तो कई लोग उन्हें परखने लगे। एक शो के दौरान उन्हें मिर्च के पेस्ट से नहला दिया गया। लेकिन आश्चर्य कि उन्हें कोई तकलीफ नहीं हुई। बटाव गांव के लोग बताते हैं कि राम का खाना मिर्च-बेस्ड होता है-चावल, सब्जी, सबमें तीखापन। राम की लाइफस्टाइल देखकर लगता है जैसे वे सुपरहीरो हों। सुबह उठते ही मिर्च वाली चाय, दोपहर में मिर्च-मटन करी, शाम को रॉ चिलीज। वे कहते हैं, 'मिर्च मेरी दवा है—कोई बीमारी नहीं लगती।' मेघालय के जैनतिया हिल्स में मिर्च की खेती आम है, लेकिन राम जैसा कोई नहीं है। अब एक बार फिर उनका पुराना वीडियो वायरल हो रहा है।

800 साल पुराना मंदिर, जहां शिवलिंग पर पड़ती है अद्भुत छाया

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

शहर से मात्र 100 किलोमीटर दूर, तेलंगाना के नलगोंडा जिले में 800 वर्ष प्राचीन 'छाया सोमेश्वर महादेव' मंदिर स्थित है। यह मंदिर अपने अद्भुत और अनसुलझे रहस्य के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। पूरे दिन शिवलिंग पर एक स्तंभ की छाया मंडराती रहती है, लेकिन यह छाया आती कहां से है, यह आज तक कोई नहीं जान पाया। यह मंदिर प्राचीन भारतीय वास्तुकला और विज्ञान के अद्वितीय ज्ञान का प्रमाण है। ऐसा माना जाता है कि दक्षिण भारत में चोल साम्राज्य जैसे शक्तिशाली राजवंशों के संरक्षण के कारण यहां के मंदिर उत्तर भारत की तरह बड़े पैमाने पर विदेशी आक्रमणों का शिकार नहीं हुए। इसलिए यहां की अद्भुत कलात्मकता और वैज्ञानिक चमत्कार आज भी अपने मूल स्वरूप में देखे जा सकते हैं।

क्या है इस मंदिर का रहस्य

मंदिर का रहस्य सरल दिखता है, लेकिन इसके पीछे गहन विज्ञान छुपा हुआ है। मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग के ठीक सामने कोई स्तंभ नहीं है, फिर भी जिस स्तंभ की छाया शिवलिंग पर पड़ती है, वह शिवलिंग और सूर्य के बीच नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि मंदिर परिसर में बाहर लगे स्तंभों की स्थिति और उनका डिजाइन इतना सटीक है कि सूर्य की गति के साथ इन स्तंभों की आपसी परछाइयां मिलकर एक ऐसी छाया बनाती हैं, जो सीधे शिवलिंग पर पड़ती है।

विज्ञान भी हैरान है, लेकिन आस्था अडिग है

भौतिक विज्ञानी मनोहर शेषागिरी के अनुसार, इस मंदिर के निर्माण में पूर्व-पश्चिम दिशा, सूर्य की किरणों की गणना और प्रकाश के परावर्तन का गहन ज्ञान इस्तेमाल किया गया था। प्राचीन कारीगरों ने स्तंभों को इस तरह रखा कि सूर्य चाहे जहां भी हो, उसकी रोशनी से बनने वाली छाया हमेशा शिवलिंग को ही स्पर्श करे। हालांकि, 800 वर्षों में मंदिर की दीवारों पर दरारें आ गई हैं, लेकिन तेलंगाना सरकार द्वारा किए गए संरक्षण कार्यों ने इस ऐतिहासिक धरोहर को नया जीवन दिया है। आज भी यह रहस्य देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक और श्रद्धालु यहां आते हैं। नलगोंडा के पनागल बस स्टैंड से यह मंदिर मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह आसानी से सुलभ है। यह मंदिर सिर्फ आस्था का ही नहीं, बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतीक है, जहां विज्ञान और आध्यात्म का अद्भुत मेल देखने को मिलता है, जो आज भी विज्ञान के लिए चुनौती बना हुआ है।

8849 मीटर हाइट, भूकंप-तूफान बर्फबारी का नहीं होता असर

नई दिल्ली। कभी आपने सोचा है कि आखिर दुनिया की सबसे ऊंची पर्वतमाला हिमालय करोड़ों सालों से कैसे टिके हुए हैं? हर साल भूकंप, तूफान, बर्फबारी और मौसम की मार झेलने के बावजूद ये पर्वत आज भी एशिया की शान बनकर खड़े हैं। हालांकि, अब एक नई स्टडी ने सालों पुरानी इस रहस्य को चुनौती पेश की है। स्टडी में खुलासा हुआ है कि करीब 5 करोड़ साल पहले जब भारत और एशिया की प्लेटें आपस में टकराईं, तो धरती की परतें दबकर ऊपर उठीं, जिसकी वजह हिमालय बन गए। इस टक्कर से तिब्बत का इलाका करीब 1000 किलोमीटर सिकुड़ गया और भारतीय प्लेट, एशियाई प्लेट के नीचे चली गई। माना जाता था कि दोनों परतें आपस में चढ़कर 70 से 80 किलोमीटर तक मोटी हो गईं और इसी वजह से हिमालय और तिब्बती पठार ऊंचाई पर टिके रहे। हालांकि, यह सबसे पहले 1924 में स्विस भूवैज्ञानिक एमिल आर्गांड ने कहा था। लेकिन, अब एक नई स्टडी कहती है कि धरती की परतें इतनी गहराई तक आपस में चढ़ी हुई नहीं हो सकतीं, यानी हिमालय को लेकर हमारी करीब 100 साल पुरानी समझ गलत हो सकती है।

करोड़ों साल से कैसे टिके हुए हैं हिमालय? नई रिसर्च में खुला बड़ा राज

मेंटल का टुकड़ाः एशियाई और भारतीय क्रस्ट के बीच में एक तीसरी परत

रिसर्च के मुताबिक, पृथ्वी की क्रस्ट (पृथ्वी की सतह के नीचे की परत) के पत्थर करीब 40 किलोमीटर गहराई पर ज्यादा तापमान के कारण पिघलने लगते हैं। मिलानो-बिकोक्का यूनिवर्सिटी, इटली के जियोफिजिक्स के एसोसिएट प्रोफेसर और इस स्टडी के लेखक पिएत्रो स्टरनाई ने कहा, 'अगर क्रस्ट की मोटाई 70 किलोमीटर है, तो इसकी सबसे निचली परत नरम हो जाती है। यह दही जैसी हो जाती है और आप दही के ऊपर पर्वत नहीं बना सकते।' स्टरनाई का कहना है कि उनके एनालिसिस से पता चला कि एशियाई और भारतीय क्रस्ट के बीच में एक तीसरी परत, यानी मेंटल का टुकड़ा मौजूद है। यही कारण है कि हिमालय सिर्फ ऊंचे ही नहीं बने, बल्कि लंबे वक्त तक ऊंचा भी बना रहे।

हिमालय को ऊंचा बनाए रखने में किसका बड़ा रोल?

वैज्ञानिकों ने स्टडी में पाया है कि हिमालय को ऊंचा बनाए रखने में 'ब्लॉब्स' का बड़ा रोल है। यह ब्लॉब्स पृथ्वी की पपड़ी (क्रस्ट) के नीचे की परत में होते हैं। यह परत बहुत भारी होती है। इसकी खास बात यह है कि ये गर्मी में भी पिघलती नहीं है। इसके उलट, यह हल्की और उभरने वाली होती है, जिससे यह हिमालय को ऊपर उठाने में मदद करती है, जैसे आइसबर्ग पानी में तैरता है। इसे लेकर वैज्ञानिकों ने एशिया और भारत के टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव का सिमुलेशन किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि जब भारतीय प्लेट यूरेशियन प्लेट के नीचे फिसलती है, तो ब्लॉब्स ऊपर उठकर एशियाई क्रस्ट और लिथोस्फीयर के बेस से जुड़ जाते हैं। इससे पता चलता है कि दोनों प्लेटों के बीच एक कठोर परत मौजूद है।

अर्गंड के सिद्धांत

जबकि, लेखक जानते हैं कि अर्गंड के सिद्धांत का विरोध करना आसान नहीं है और यह विवादास्पद भी माना जा सकता है। लेकिन, वे यह भी जानते हैं कि इस स्टडी के परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, क्योंकि ये हिमालय में कई अजीब भौगोलिक घटनाओं की एक्सप्लेनेशन करते हैं।

यहां अंडों से बनती है सड़क सालों-साल नहीं पड़ती दरार मजबूती कर देगी हैरान

बीजिंग। भारत में सड़कें बनते ही टूटने लगती हैं, गड्ढों का राजा हो जाता है। लेकिन चीन की सड़कें? वो तो सालों-साल चमकती रहती हैं, बिना एक दरार के! इसका राज क्या है? अंडे! सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में दावा किया जा रहा है कि चाइनीज इंजीनियर्स अंडे के छिलकों को फाइन पाउडर बनाकर कंक्रीट मिक्स में डालते हैं, जो सड़कों को सुपर मजबूत बना देता है। यह खबर ना केवल हैरान करने वाली है, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी क्रांतिकारी है। रिसर्च पेपर्स के मुताबिक, अंडे के छिलके में कैल्शियम कार्बोनेट होता है, जो

सीमेंट को मजबूत बनाता है और दरारें रोकता है। चीन की यह इनोवेशन कोई नई बात नहीं है। बीजिंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक स्टडी पब्लिश की, जिसमें बताया गया कि एगशेल पाउडर से कंक्रीट की स्ट्रेंथ कई गुना बढ़ जाती है। यह मटेरियल ना केवल सस्ता है, बल्कि वेस्ट रिडक्शन भी करता है।

कचरे का सही इस्तेमाल

चीन में हर साल अरबों अंडे प्रोड्यूस होते हैं, जिनके छिलके कचरा बन जाते थे। अब इन्हें रिसाइकल कर सड़कें बना रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, शंघाई-पुडोंग एक्सप्रेसवे का एक सेक्शन इसी टेक्नोलॉजी से बना, जो 50 किलोमीटर लंबा है और अभी तक बिना मेंटेनेंस के चल रहा है। चाइनीज गवर्नमेंट की रिपोर्ट कहती है कि इससे सड़क लाइफ 30 साल से बढ़ाकर 50 साल हो गई है। वहीं, पर्यावरण मिनिस्ट्री ने इसे ग्रीन कंस्ट्रक्शन का अवॉर्ड दिया है।

प्रोडक्ट्स	एक्स-शोरूम कीमत	GST लाभ
HF DELUXE	~~₹63 688~~ ₹58 712#	₹4 976
SUPER SPLENDOR	~~₹85 870~~ ₹79 161#	₹6 709

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com